WWW.Kanchanujala.in

हिन्दी दैनिक

kanchanujala14@gmail.com

कंचन उजाला

लखनऊ से प्रकाशित

सच्चाई के साथ

काम शुरू होने को लेकर मैं चिंतित नहीं हूं सोनाक्षी सिन्हा

वर्षः 01 अंक : 270 | लखनऊ, शनिवार, 19 सितम्बर, 2020 | पृष्ठ- 6 | मूल्य - 1 रुपये

कोरोना के 96,424 नये मामले

नयी दिल्ली, एजेंसी। देश में कोरोना संक्रमण के मामलों में गुरुवार को हुई सबसे बड़ी वृद्धि के बाद पिछले 24 घंटों के दौरान फिर से 96,424 नये मामले सामने आये जिससे संक्रमितों का आंकड़ा 52 लाख के पार हो गया, जबकि राहत की बात यह है कि इस दौरान रिकॉर्ड 87,472 लोगों के स्वस्थ होने से इससे निजात पाने वालों की संख्या 41 लाख से अधिक हो गयी। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक देश में पिछले 24 घंटों में कोरोना संक्रमण के रिकॉर्ड 96,424 नये मामलों के साथ संक्रमितों का आंकड़ा 52,14,677 हो गया है। इससे पहले गुरुवार को अब तक के सर्वाधिक 97,894 नये मामले सामने आये थे जबकि उससे पहले दो दिनों तक नये मामलों में कमी भी आई थी। इस अवधि में रिकॉर्ड 87 हजार से अधिक मरीज स्वस्थ स्वस्थ हुए हैं जिससे कोरोना से मुक्ति पाने वालों की संख्या 41,12,551 हो गयी है। इस दौरान 1174 और मरीजों की मौत होने से मृतकों की संख्या बढ़कर 84,372 हो गयी है। स्वस्थ होने वालों की तुलना में संक्रमण के नये मामले अधिक होने से सक्रिय मामले 7778 बढ़कर 10,17,754 हो गये हैं।

87,472 हुए स्वस्थ

देश में सक्रिय मामले 19.52 प्रतिशत और रोगमुक्त होने वालों की दर 78.86 फीसदी है, जबकि मृत्यु दर 1.62 फीसदी है। कोविड-19 से सबसे गंभीर रूप से प्रभावित महाराष्ट्र में सक्रिय मामलों की संख्या में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है और यह 4,629 बढ़कर तीन लाख के पार 3,02,135 हो गयी तथा 468 लोगों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा 31,351 हो गया। इस दौरान 19,522 लोग संक्रमणमुक्त हुए जिससे स्वस्थ हुए लोगों की संख्या बढ़कर 8,12,354 हो गयी।

कोरोना मामले 3 करोड़ के पार,स्वस्थ मामलों में भारत शीर्ष पर

वाशिंगटन/रियो डि जेनेरो/नयी दिल्ली। विश्व भर में कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी से अब तक तीन करोड़ से अधिक लोग संक्रमित हो चुके हैं और 9.44 लाख से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है जबकि रोगमुक्त होने वालों के मामले में भारत पूरे विश्व में पहले स्थान पर है। अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केन्द्र (सीएसएसई) की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार कोरोना से विश्वभर में अब तक 3,00,71,314 लोग संक्रमित हुए हैं और 9,44,887 लोगों की मौत हुई है।

चुनावी घोषणा पत्र में कृषि सुधार का वादा करने वाले आज विधेयक पर फैला रहे भ्रमः मोदी

पटना, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के किसानों के कल्याण और कृषि सुधारों की दिशा में गुरुवार को लोकसभा से पारित विधेयक को किसानों का रक्षा कवच बताया और कहा कि जिन लोगों ने अपने घोषणा पत्र में इसका वादा किया था वही लोग आज इसके बारे में भ्रम फैला रहे हैं। श्री मोदी ने शुक्रवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बिहार की 12 रेल परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने के बाद कहा कि कल का दिन देश के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण था। विश्वकर्मा जयंती के दिन लोकसभा में ऐतिहासिक कृषि सुधार विधेयक पारित किया गया। यह विधेयक हमारे अन्नदाता किसानों को अनेक बंधनों से मुक्ति दिलाएगा है। आजादी के बाद किसानों को एक नई आजादी इन सुधारों के जरिए मिली है। अब किसानों को उपज बेचने में और ज्यादा विकल्प और ज्यादा अवसर मिलेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि किसान और ग्राहक के बीच जो भी चोरी होती है और किसानों की कमाई का बड़ा हिस्सा बिचौलिए ले लेते हैं उनसे बचाने के लिए यह विधेयक लाया जाना जरूरी था। ये विधेयक किसानों के लिए रक्षा कवच बन कर आए हैं लेकिन कुछ लोग जो दशकों तक देश में शासन करते रहे हैं, सत्ता में रहे हैं और जिस पर राज किया है वह लोग किसानों को इस विषय पर भ्रमित करने की कोशिश कर रहे हैं। किसानों से झूठ बोल रहे हैं। श्री मोदी ने कहा कि चुनाव के समय किसानों को लुभाने के लिए यही लोग बड़ी-बड़ी बातें करते हैं।

भारत पर साइबर दुश्मनों की बुरी नजर

एनआईसी के कंप्यूटरों में सेंधमारी की कोशिश

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत सरकार के कंप्यूटरों पर साइबर अटैक हुआ है। नेशलन इनफॉर्मेटिक्स सेंटर के कंप्यूटरों में सेंधमारी की कोशिश की गई है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने इसको लेकर एफआईआर दर्ज की है और जांच की जा रही है। दिल्ली पुलिस ने कहा है कि इसने एनआईसी की शिकायत पर केस दर्ज किया है, जोकि एक मालवेयर अटैक से संबंधित है। एनआईसी के एक कर्मचारी को एक कंप्यूटर पर ऑफिशियल ईमेल अकाउंट एक्सेस करने में दिक्कत आई। हालांकि, एनआईसी ने कहा है कि डेटा को कोई नुकसान नहीं पहुंचाया जा सका। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, एनआईसी के एक स्टाफ के ऑफिशियल आईडी पर एक ईमेल भेजा गया था, जब उसने इस लिंक पर क्लिक किया तो यह दिखा कि उस कंप्यूटर पर मालवेयर सेट किया गया है। उन्होंने कहा कि सितंबर के पहले सप्ताह में एनआईसी की शिकायत पर केस दर्ज किया गया। इसके बाद दिल्ली पुलिस ने जांच की और सोर्स की पहचान कर ली गई है। हालांकि, पुलिस ने कहा कि जांच जारी होने की वजह से अभी सोर्स का खुलासा नहीं किया जा सकता है। पुलिस ने कहा कि कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में उच्च कार्यालयों से जुड़े व्यापक साइबर घुसपैठ के बारे में जो कहा गया है वह सही नहीं है। गौरतलब है कि एनआईसी इलेक्ट्रॉनिक्स और इन्फॉर्मेशन टेक्नॉलजी मिनिस्ट्री के तहत आता है और केंद्र सरकार, राय सरकारों, केंद्र शासित प्रदेशों, जिला और दूसरे सरकारी संस्थाओं को नेटवर्क और ई-गवर्नेंस सुविधा उपलब्ध कराता है। दिल्ली पुलिस के अतिरिक्त पीआरओ अनिल मित्तल ने कहा, सरकारी कर्मचारी ने हाल ही में शिकायत की थी कि उन्हें आधिकारिक ईमेल अकाउंट को एक्सेस करने में दिक्कत हुई, जिसे कुछ सप्ताह से इस्तेमाल नहीं किया गया था। एनआईसी ने पाया कि यह साइबर तत्वों की ओर से सेंधमारी का प्रयास था।

जीएमसी अनंतनाग को मिली आईसीएमआर की हरि झंडी

श्रीनगर, एजेंसी। अंतनाग के राजकीय मेडिकल कालेज में कोरोना वायरस की गोल्ड स्टेंडर्ड आरटी-पीसीआर टेस्टिंग जल्द ही शुरू कर दी जाएगी। इस मामले में अस्पताल को इंडियन काउंसल आफमेडिकल रिसर्च की हरि झंडी मिल गई है। ऐसे में अनंतनाग मेडिकल कालेज कश्मीर का पहला अस्पताल बन गया है जिसे आईसीएमआर की अनुमति मिली है। आरटी-पीसीआर टेस्ट वो जांच है जो सौ प्रतिशत दावा करती है कि महामारी का संक्रमण है या नहीं। प्रोफेसर शौकत जिलानी ने इस बात की पुष्टि की है। जिलानी कालेज के प्रिंसिपल हैं। उन्होंने कहा कि आईसीएमआर भारत में रिसर्च की रेगूलेटरी बाडी है और उन्हें संगठन से जांच की अनुमति मिल गई है। जिलानी ने कहा, हम जल्द ही जांच शुरू कर देंगे। उन्होंने कहा कि अभी तक अस्पताल आरएटी और टीएल टेस्ट ही कर रहा था। इनमें कुछ कमियां भी थीं। उन्होंने कहा कि हमारे सारे टेस्ट श्रीनगर लैब में जाते थे और वहां पर अतिरिक्त बर्डन हो जाता था।

योगी का सख्त निर्देश

कोरोना के मद्देनजर न हो कोई भी सार्वजनिक आयोजन

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में एक दिन में कोविड-19 के 01 लाख 55 हजार से अधिक टेस्ट की क्षमता अर्जित किए जाने पर संतोष व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने में मेडिकल टेस्टिंग की भूमिका अत्यन्त महत्वपूर्ण है। इसके दृष्टिगत टेस्टिंग कार्य पूरी तेजी से संचालित किया जाए। मुख्यमंत्री आज यहां लोक भवन में आहूत एक उच्चस्तरीय बैठक में अनलॉक व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि समय पर कोविड-19 के रोगी को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाने से उसका उपचार एल-1 श्रेणी के कोविड चिकित्सालय में ही किया जा सकता है। इसलिए कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग की कार्यवाही पर विशेष ध्यान दिया जाना आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि कोविड चिकित्सालयों में ऑक्सीजन तथा आवश्यक दवाओं की सुचारु उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। इस बात पर विशेष ध्यान दिया जाए कि प्रदेश के अस्पतालों में ऑक्सीजन की उपलब्धता के सम्बन्ध में कोई समस्या न हो। मुख्यमंत्री ने जनपद लखनऊ व कानपुर नगर में कोविड-19 के सफलतापूर्वक उपचारित रोगियों की उपचार विधि का गहन अध्ययन करते हुए कोविड-19 पर नियंत्रण स्थापित करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य, जिला चिकित्सालयों में तथा अपर मुख्य सचिव चिकित्सा शिक्षा मेडिकल कॉलेजों व चिकित्सा संस्थानों में सफलतापूर्वक उपचारित रोगियों के इलाज के बारे में चिकित्सकों से विचार-विमर्श करते हुए स्वस्थ्य हुए रोगियों की दर में वृद्धि सुनिश्चित कराएं। मुख्यमंत्री ने कोविड-19 से बचाव तथा यातायात सुरक्षा के सम्बन्ध में लोगों को निरन्तर जागरूक किए जाने पर बल दिया। बैठक में अपर मुख्य सचिव गृह द्वारा मुख्यमंत्री जी को अवगत कराया गया कि पब्लिक एड्रेस सिस्टम के माध्यम से कोविड-19 तथा यातायात सुरक्षा के बारे में जनता को जागरूक करने के लिए सभी जनपदों के जिलाधिकारियों तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों,पुलिस अधीक्षकों को निर्देशित कर दिया गया है। मुख्यमंत्री ने जी0एस0टी0 के अन्तर्गत अधिक से अधिक पंजीयन के लिए कार्य योजना बनाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जी0एस0टी0 के माध्यम से संग्रहीत होने वाले राजस्व में वृद्धि के लिए प्रभावी प्रयास किए जाएं। यह सुनिश्चित किया जाए कि जी0एस0टी0 की चोरी न होने पाए। उन्होंने उद्योग बन्धु की बैठक आहूत करने तथा उद्यमियों एवं निवेशकों की समस्याओं का समाधान करने के निर्देश भी दिए है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी समय में सम्पन्न होने वाले पर्वों के दृष्टिगत पूरी सतर्कता और सावधानी बरती जाए। कोविड-19 को देखते हुए पर्वों के दौरान सार्वजनिक आयोजन न किया जाए।

शिवसेना ने आर्थिक संकट के लिए केंद्र सरकार को लिया आड़े हाथों

मुंबई, एजेंसी। शिवसेना ने देश में जारी आर्थिक संकट के लिए केंद्र सरकार को आड़े हाथों लेते हुए शुक्रवार को कहा कि नोटबंदी और कोरोना वायरस को काबू में करने के लिए लॉकडाउन को गलत तरीके से लागू करने के कारण मौजूदा हालात पैदा हुए हैं। शिवसेना के मुखपत्र सामना में प्रकाशित एक संपादकीय में केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए कहा गया है, 13 मार्च को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन ने कहा कि देश में स्वास्थ्य संबंधी कोई आपातकाल नहीं है, जबकि 22 मार्च को प्रधानमंत्री ने एक दिन का जनता कर्फ्यू लगाया और 24 मार्च को सिर्फ चार घंटे की नोटिस पर 21 दिन के लॉकडाउन की घोषणा की। भाजपा की पूर्व सहयोगी पार्टी ने कहा कि उस दिन शुरु हुई अव्यवस्था और अनिश्चितता आज भी जारी है। संपादकीय में कहा गया कि यह वक्त की मांग है कि केंद्र इस संकट के दौरान राज्यों के साथ मजबूती से खड़ा रहे।

पांच अक्टूबर तक बंद रहेंगे दिल्ली के स्कूल

नयी दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में कोरोना वायरस के लगातार बढ़ते प्रकोप के कारण दिल्ली में स्कूल पांच अक्टूबर तक बंद रहेंगे। दिल्ली सरकार के शिक्षा विभाग ने शुक्रवार को एलान किया कि राजधानी में सभी स्कूल पांच अक्टूबर तक बंद रहेंगे। स्कूलों के बंद रहने के दौरान ऑनलाइन कक्षाएं पहले की तरह चलती रहेंगी। पहले ऐसी रिपोर्ट थी कि 21 सितंबर से स्कूल आंशिक रुप से खुलने शुरु हो जायेंगे। कोरोना वायरस संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुए अधिकांश राज्य सरकारें अभी हिचक रही हैं।आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा जैसे राज्य हालाकि स्कूल खोल रहे हैं। दूसरी तरफ हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, गुजरात में सरकारें स्कूल नहीं खोल रहीं हैं। अब इस सूची में दिल्ली भी शामिल हो गई है। दिल्ली शिक्षा निदेशालय की तरफ से जारी परिपत्र में शिक्षकों और कर्मचारियों को जरूरत के मुताबिक पुराने दिशानिर्देश के अनुसार स्कूल बुलाया जा सकता है। सरकारी, अनुदान प्राप्त, प्राइवेट और निगमों समेत दिल्ली के सभी स्कूलों को निर्देश दिए गए हैं कि इस परिपत्र के बारे में कर्मचारियों, अभिभावकों और छात्रों को फोन कॉल/एसएमएस या अन्य माध्यमों से जानकारी दे दी जाए।

शोपियां मुठभेड़ः सेना ने माना जवानों ने किया नियमों का उल्लंघन

नई दिल्ली, एजेंसी। सेना को प्रथम दृष्टया साक्ष्य मिले हैं कि उसके जवानों ने कश्मीर के शोपियां जिले में हुई एक मुठभेड़ में सशस्त्र सेना विशेषाधिकार कानून (अफस्पा) के तहत मिली शक्तियों का उल्लंघन किया। इस संबंध में अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की गई है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इस वर्ष जुलाई में यह मुठभेड़ हुई थी और इसमें तीन लोग मारे गए थे। दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले के अमशीपुरा गांव में सेना ने 18 जुलाई को तीन आतंकवादियों को मार गिराने का दावा किया था। श्रीनगर में रक्षा प्रवक्ता कर्नल राजेश कालिया ने कहा कि आतंकवाद विरोधी अभियानों के दौरान नैतिक आचरण के लिए प्रतिबद्ध सेना ने सोशल मीडिया पर सामने आई उन रिपोर्ट के बाद जांच शुरू की, जिसमें दावा किया गया था कि जम्मू के राजौरी जिले के रहने वाले तीन व्यक्ति अमशीपुरा से लापता पाये गए थे। जांच को चार सप्ताह के भीतर ही पूरा कर लिया गया। सेना ने एक संक्षिप्त बयान में कहा कि जांच से कुछ निश्चित साक्ष्य सामने आए जो कि दर्शाते हैं कि अभियान के दौरान अफस्पा, 1990 के तहत निहित शक्तियों का दुरुपयोग किया गया और उच्चतम न्यायालय द्वारा स्वीकृत सेना प्रमुख की ओर से निर्धारित नियमों का उल्लंघन किया गया। इसके मुताबिक, परिणामस्वरूप, सक्षम अनुशासनात्मक प्राधिकरण ने प्रथम दृष्टया जवाबदेह पाए गए सैनिकों के खिलाफ सेना अधिनियम के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू करने का निर्देश दिया है।

सांसद वेतन, भत्ते और पेंशन संशोधन विधेयक 2020 पर संसद की मुहर

नयी दिल्ली, एजेंसी। कोरोना महामारी के प्रकोप से निपटने के संसाधन जुटाने की मुहिम में सांसदों के वेतन में 30 प्रतिशत की कटौती करने वाले ''संसद सदस्य वेतन, भत्ता और पेंशन (संशोधन) विधेयक 2020 पर शुक्रवार को संसद ने मुहर लगा दी.! राज्यसभा ने संक्षिप्त चर्चा के बाद आज इसे पारित कर दिया जबकि लोकसभा इसे पहले ही स्वीकृति दे चुकी है. संसदीय कार्यमंत्री प्रह्लाद जोशी ने चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि संकट के इस समय में राजनीति नहीं होनी चाहिए. उन्होंने कहा कि संकट के समय में सरकार को धन की जरूरत है और संसद को इस संबंध में अपने खर्चों में कटौती कर आदर्श उपस्थित करना चाहिए. उन्होंने कहा कि यह समय कोरोना से लड़ाई का है और इस समय हर स्तर पर सरकार को इस महामारी से लड़ने के लिए पैसे की आवश्यकता है। सांसद निधि को स्थगित करने का फैसला अस्थायी है और इसे बाद में बहाल कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सभी मंत्रियों को स्पष्ट निर्देश हैं कि कोरोना मामले में किसी तरह की राजनीति नहीं की जानी चाहिए। सरकार कोरोना को हराना चाहती है और इसे सामूहिक रूप से ही मदद करके हराया जा सकता है।

लोकसभा में विवाद थमा, बिरला, राजनाथ बने संकटमोचक

नयी दिल्ली, एजेंसी। वित्त राज्य मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर के विवादास्पद बयान से लोकसभा में बना गतिरोध अध्यक्ष ओम बिरला एवं सदन के उपनेता रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के हस्तक्षेप से समाप्त हो गया। श्री ठाकुर के खेद व्यक्त करने के बाद सदन की कार्यवाही शाम छह बजे सुचारु रूप से आरंभ हुई। चार बार के स्थगन के बाद शाम छह बजे सदन समवेत होने पर अध्यक्ष श्री बिरला ने कहा कि संसद का मानसून सत्र असाधारण परिस्थितियों में आयोजित किया जा रहा है। कोविड के संक्रमण के खतरे के बीच संवैधानिक दायित्व का बीते चार दिनों में जिस प्रकार से निर्वाह किया गया है, उसे सारे देश ने देखा है और सराहा है। सांसद एक व्यक्ति नहीं बल्कि संस्था होते हैं जो करीब 15 लाख की आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने आग्रह किया कि सदन की गरिमा एवं मर्यादा बनाये रखने के लिए तथ्यों के आधार पर चर्चा एवं वाद विवाद होता रहे लेकिन बिना तथ्यों के आरोप प्रत्यारोप से बचना चाहिए। सदन का जो भी समय बचा है, उसमें कार्यवाही सुचारु रूप से चलना चाहिए। संपूर्ण विश्व देखेगा कि इस वैश्विक संकट के समय भारत के लोकतंत्र की शक्ति क्या है। उन्होंने कहा कि उनकी नजर में सभी सदस्य बराबर हैं। यदि किसी को उनके किसी व्यवहार से कोई पीड़ा पहुंची है तो वह माफी मांगते हैं। श्री बिरला के वक्तव्य को सुन कर विपक्ष के सदस्य भी पिघल गये और कई वरिष्ठ सदस्यों ने श्री बिरला के माफी मांगने की बात को स्वीकार नहीं किया। अध्यक्ष के कहने पर श्री अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि उनका इरादा किसी को पीड़ा पहुंचाना नहीं था। यदि विपक्ष के किसी सदस्य को पीड़ा पहुंची है तो वह भी उस पीड़ा को अनुभव कर रहे हैं। इसके बाद श्री राजनाथ सिंह ने अध्यक्ष से कहा कि इसमें दो मत नहीं है कि आपने (श्री बिरला ने) बहुत कुशलता से सदन की कार्यवाही का संचालन किया है। आपने सदन के हर पक्ष के हर सदस्य का विश्वास हासिल किया है। आज के अवरोध के समाधान के लिए अध्यक्ष के चैंबर में हुई बैठक में देखा कि आप किस हद तक आहत थे। श्री ठाकुर एक तेजतर्रार एवं युवा नेता हैं। उनके द्वारा यदि किसी को पीड़ा पहुंची है तो उन्होंने भी कहा है कि वह भी पीड़ा को अनुभव कर रहे हैं। कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि अध्यक्ष की बात ने विपक्ष के सभी सदस्यों को दुखी कर दिया है। इस तरह की बातों से सभी को पीड़ा पहुंची है। लॉकडाउन में जब सभी सदस्य घरों में थे। तब श्री बिरला दिल्ली में सदन के संचालन की तैयारियों के लिए मेहनत मशक्कत करते रहे। उन्होंने कहा कि यह परिस्थिति बहुत विकट है जब संक्रमण इतना फैल गया है। सरकार का काम देश चलाना है और हमारा काम सरकार को सहयोग देना है। हम सरकार का ध्यान बहुत सारी बातों की ओर आकृष्ट कराते हैं। यह सदन सब पक्षों के लिए बराबर है। हर पक्ष के सारे सदस्य अध्यक्ष के व्यवहार से खुश हैं। किसी को कोई शिकायत नहीं है। अध्यक्ष सदस्यों के लिए अभिभावक की तरह से होते हैं। हम सब सदन को चलाना चाहते हैं और चलाएंगे। इसके बाद अध्यक्ष ने अनुदान अनुपूरक मांगों पर चर्चा शुरू कराने के लिए भारतीय जनता पार्टी के जयंत सिन्हा का नाम पुकारा। इससे पहले दिन में तीन बजे कार्यवाही शुरू होने के बाद जब सदन में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के 'कराधान और अन्य विधियां (कतिपय उपबंधों का संशोधन और छूट) अधिनियम 2020' चर्चा के लिए पेश करते हुए कुछ समय तक अपने विचार रखने के बाद वित्त राज्य मंत्री श्री ठाकुर को विधेयक के मुख्य बिंदुओं को लेकर सदन को जानकारी देने को कहा। श्री ठाकुर ने बातों ही बातों में पीएम केयर्स का उल्लेख आने पर प्रधानमंत्री राष्ट्रीय आपदा कोष का भी जिक्र किया और आरोप लगाया कि यह कोष सिर्फ एक परिवार के हित के लिए बनाया गया है।

कांग्रेस ने पलटवार करते हुए प्रधानमंत्री को बताया किसान विरोधी, कहा

किसानों का सरकार से उठ चुका विश्वास

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने लोकसभा में पारित हुए कृषि संबंधी विधेयकों को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा विपक्षी दलों पर निशाना साधे जाने के बाद शुक्रवार को आरोप लगाया कि इस सरकार से किसानों का विश्वास उठ चुका है तथा वह देश के किसान एवं मजदूरों को बरगला रही है। पार्टी ने यह भी कहा कि इस कुरुक्षेत्र में सरकार 'कौरव' है और किसान-मजदूर 'पांडव' हैं तथा कांग्रेस, पांडवों के साथ खड़ी है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने ट्वीट किया, ''किसान का मोदी सरकार से विश्वास उठ चुका है क्योंकि शुरू से मोदी जी की कथनी और करनी में फर्क़ रहा है। नोटबंदी, गलत जीएसटी और डीजल पर भारी कर। जागृत किसान जानता है- कृषि विधेयक से मोदी सरकार बढ़ाएगी अपने 'मित्रों' का व्यापार और करेगी किसान की रोजी-रोटी पर वार। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री मोदी ने शुक्रवार को देश के किसानों को आश्वस्त किया कि लोकसभा से पारित कृषि सुधार संबंधी विधेयक उनके लिए रक्षा कवच का काम करेंगे और नए प्रावधान लागू होने के कारण वे अपनी फसल को देश के किसी भी बाजार में अपनी मनचाही कीमत पर बेच सकेंगे। प्रधानमंत्री ने विपक्षी पार्टियों, खासकर कांग्रेस पर, आरोप लगाया कि वह इन विधेयकों का विरोध कर किसानों को भ्रमित करने का प्रयास कर रही हैं और दावा किया कि इन विधेयकों के कानून बनने के बाद 21वीं सदी में भारत का किसान बंधनों में नहीं रहेगा। उन्होंने इन विधेयकों को देश की जरूरत और समय की मांग बताया। उन्होंने किसानों से आग्रह किया कि वे विपक्ष द्वारा फैलाए जा रहे भ्रम में न पड़ें और सतर्क रहें। कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने संवाददाताओं से बातचीत में दावा किया।

किसान संबंधी विधेयकों के लोकर राज्यों से परामर्श नहीं किया गयाः चिदंबरम

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री पी चिदंबरम ने लोकसभा में किसान संबंधी दो विधेयकोंअनुमोदित करने को लेकर पंजाब और हरियाणा के किसानों के विरोध प्रदर्शन पर शुक्रवार को कहा कि यह जनता और सरकार के बीच की दूरी को प्रदर्शित करता और यह दर्शाता है कि राज्यों से परामर्श नहीं किया गया है। चिदंबरम ने आज.कई ट्वीट किये।उन्होंने कहा कि किसान संबंधी दो विधेयकों को लोकसभा ने अनुमोदित कर दिया है। पंजाब और हरियाणा के किसान विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।यह जनता और सरकार के बीच की दूरी को प्रदर्शित करता है। कांग्रेस नेता ने कहा,दोनों विधेयक हमारे अपूर्ण खाद्य सुरक्षा प्रणाली के तीन स्तंभों को चुनौती देते हैं। वे हैं , न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी), सार्वजनिक खरीद और सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पी.डी.एस.)।

सस्ता सोना दिलाने के नाम पर ठग ने ठग लिए 17 लाख, तीन जालसाज गिरफ्तार

गोरखपुर/ तिवारीपुर थाना के सुफियान हाता निवासी एक युवक से सस्ता सोना दिलाने के नाम पर 17.5 लाख रुपये की ठगी करने वाले तीन जालसाजों को शोहरतगढ़ पुलिस व एसओजी टीम ने शुक्रवार तड़के गिरफ्तार कर लिया जबकि एक आरोपित फरार है। एसपी ने गिरफ्तार करने वाली टीम को 20 हजार रुपये का पुरस्कार दिया है। एसपी राम अभिलाष त्रिपाठी ने शुक्रवार को पुलिस लाइंस सभागार में जालसाजी की घटना का खुलासा करते हुए बताया कि गोरखपुर शहर के तिवारीपुर थाने के सुफियान हाता निवासी मोहम्मद तारिक की मुंबई में काम करने के दौरन जिले के शोहरतगढ़ थाना क्षेत्र के एक गांव में रहने वाले लोगों से पहचान हो गई थी। धीरे-धीरे यह दोस्ती में बदल गई। तारिक के बहन की शादी होनी है। एक दिन बातचीत के दौरान उसने शोहरतगढ़ थाना के बोहली गांव निवासी शफीक पुत्र सद्दीक से बहन की शादी के लिए जेवर खरीदने की बात बताई तो उसने सस्ता सोना दिलाने को कहा। इसी माह के शुरुआत में गोरखपुर के एक होटल में मिले शफीक व उसके साथ आए तीन अन्य लोगों को 2.5 लाख रुपये एडवांस के रूप में दे दिया। दो दिन पहले शफीक और उसके साथियों ने तारिक को बताया कि जेवर तैयार है 15 लाख रुपया तैयार रखें। इसके बाद पैसा लेने पहुंच गए। जिस होटल में ढाई लाख रुपया लिया था वहीं पर तारिक ने उन लोगों को 15 लाख का और पेमेंट कर दिया। पेमेंट मिलने के बाद इन लोगों ने कहा कि 10 मिनट में जेवर लेकर आ रहे हैं। एक पैसा लेकर जेवर लेने चला गया पर लौट कर नहीं आया। ऐसा ही बाकी तीन ने भी किया और भाग खड़े हुए। कोई सुराग न मिलने पर तारिक को लगा कि वह ठगी का शिकार हो गया है तो वह गुरुवार को शोहरतगढ़ थाने पर पहुंचा और चार लोगों को नामजद करते हुए तहरीर दी। एसपी ने शोहरतगढ़ पुलिस के साथ एसओजी को गिरफ्तारी के लिए लगा दिया। टीम ने शुक्रवार तड़के साढ़े चार बजे सिसवा-बोहली मार्ग पर रेलवे क्रासिंग के पास से तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। एक हत्थे नहीं चढ़ सका। पुलिस ने इनके पास से सात लाख नगद, एक कार व एक बाइक जिसका नंबर बदला हुआ था बरामद किया। आरोपितों के खिलाफ धारा 467, 468 व 471 तहत केस दर्ज कर न्यायालय भेज दिया।

जालसाज हुए गिरफ्तार

शफीक पुत्र सद्दीकी निवासी बोहली थाना शोहरतगढ़ , रफीक पुत्र गुलाम हुसैन निवासी बोहली थाना शोहरतगढ़,गुड्डू उर्फ हमीदुर्रहमान पुत्र अब्दुल मतीन निवासी अहिरौली टोला तुलसियापुर थाना ढेबरुआ के है।

परसा मलिक पुलिस पैदल गस्त कर बिना मास्क लगाये फालतू घूम रहे लोगों पर कसा शिकंजा

महराजगंज थाना परसा मलिक प्रभारी छोटेलाल ने आज नगर व चौराहों पर अपने हमराहियों के साथ पैदल गस्त कर बिना मास्क लगाये बिना हेलमेट के फालतू घूम रहे लोगों पर कसा शिकंजा बतां दें की थानाध्यक्ष छोटेलाल की अगुवाई में शांतिपूर्ण तरीके से नगर व चौराहों का भर्मण किया गया जिसमे बिना माक्स लगाये सड़कों पर फालतू घूम रहे लोगों व दुकानदारों को थाना प्रभारी ने जागरूक करते हुए कहा कि आप लोग सरकार के आदेशों का पालन करें तय सीमा के अनुसार ही दुकानें खोले और बंद करें सरकार के आदेशों का उलंघन न करें आगे उन्होंने कहा कि अगर कोई भी सरकार के आदेशों का उलंघन किया तो इसके खिलाफ क़ानूनी कार्य वाही की जाये गी वहीँ दोसरी ओर थाना प्रभारी ने रोड पर मनमानी करने वाले बिना मास्क के चलने वाले तीन सवारी चलने वाले लोगों को रोड सेफ्टी व सावधानी से गाड़ी चलाने के लिए थाना प्रभारी ने लोगों को जागरूक भी किये इस मौके पर मुख्या रूप से थानाध्यक्ष छोटे लाल कनॉस्टेबल विवेक यादव व डायल 112 मौजूद रहे।

जॉइंट मजिस्ट्रेट ने किया कोरोना शिविर का निरिक्षण

गोरखपुर/ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/उप जिलाधिकारी सदर गौरव सिंह सोगरवाल ने शहर में लगाये जा रहे 22 कोरोना जांच शिविर जिसमे अंसार विद्यालय इस्लाम चक, संत रविदास मंदिर अलवापुर, महफिल मैरिज हॉल इलाही बाग, आमना विद्यालय बहरामपुर, हरियाली मैरिज हाल अंधियारी बाग, बसंतपुर हनुमानगढ़ी व अन्य का औचक निरीक्षण किया तथा लोगों को स्वास्थ्य सुरक्षा के प्रति सतर्कता बरतते हुए कोरोना का जांच कराने की अपील भी की वही साथ ही साथ आशा, एएनएम व स्वास्थ्य कर्मियों की टीम को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिया।

प्रतिमाह 10 व्यापारियों का सर्वे एवं एडीशनल स्तर के अधिकारियों को तलाशी के आदेश का व्यापारियों ने किया विरोध

गोरखपुर/उद्योग व्यापार मण्डल (श्याम बिहारी मिश्र गट), गोरखपुर उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल, चैम्बर ऑफ ट्रेडर्स,गोरखपुर किराना कमेटी,दवा विक्रेता समिति,थोक वस्त्र विक्रेता समिति, गोरखपुर सर्राफा मंडल तथा गोरखपुर के लगभग 25-30 संगठनों की एक आपात संयुक्त बैठक आज दिनांक 18.09.2020 को शाम 4 बजे गोरखपुर किराना कमेटी में उ0प्र0 शासन द्वारा जी0एस0टी0 विभाग को प्रतिमाह 10 व्यापारियों की सर्वे जी0एस0टी0 विभाग की विशेष अनुसंधान शाखा(स्ढ्ढक्च)एवं एडिशनल स्तर के अधिकारियों को तलाशी लेने के आदेश के विरोध में बुलाई गई थी । बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि गोरखपुर के समस्त व्यापार मंडल के पदाधिकारियो के हस्ताक्षर से एक ज्ञापन आयुक्त (वस्तु एवं सेवा कर) उत्तर प्रदेश शासन को भेजकर सम्बन्धित आदेश को अविलम्ब वापिस लिए जाने की मांग की है। ज्ञापन में बताया कि जी.एस.टी. कानून के अन्तर्गत विशेष अनुसंधान शाखा को टर्न ओवर के आधार पर प्रत्येक माह में 10 व्यापारियों की सर्वे करने एवं एडीशनल स्तर के अधिकारियों के द्वारा प्रदेश के व्यापारियों की तलाशी लेने का आदेश दिया गया है। जो कि पूर्णतया असवैधानिक एवं अव्यवहारिक है। 1 जुलाई 2017 से देश में एक कानून की अवधारणा के साथ जी.एस.टी. कानून लागू होने के पश्चात प्रदेश का व्यापारी प्रत्येक वर्ष में जी.एस.टी. में बढाकर राजस्व दे रहा है तथा अपना व्यापार ईमानदारी से कर रहा है। जब जी.एस.टी. लागू हुआ था तभी से ढ्ढत्रस्ञ्ज के अन्तर्गत देय कर ष्टत्रस्ञ्ज व स्त्रस्ञ्ज में समायोजित हो रहा था। लेकिन कोरोना काल मे व्यापारियों को अपनी दुकान का किराया, बिजली का बिल, कर्मचारियों का वेतन, बैंक का ऋण , बच्चों की स्कूल की फीस आदि खर्चो को अपना प्रतिष्ठान बंद करके भी अदा किया लेकिन हम व्यापारियों को सरकार के द्वारा किसी प्रकार की सहायता नही दिया गया जिससे व्यापारी कर्ज,भुखमरी आदि समस्याओं से आजतक जूझ रहा है इस परिस्थिति में जहॉ अपने व्यापार के लिए परेशान हैं वही पर स्त्रस्ञ्ज में ढ्ढत्रस्ञ्ज पर देय कर का समायोजन समाप्त कर दिया गया है जिससे व्यापारियों को स्त्रस्ञ्ज पर देय कर भरना पड रहा है। जिससे प्रदेश में स्त्रस्ञ्ज के रूप में प्राप्त कर से राजस्व में वृद्धि हुई है वही व्यापारियों पर आर्थिक रूप से दुहरी मार पड रही है। व्यापारियों का ढ्ढत्रस्ञ्ज के रूप में देय कर केश रजिस्टर बढ़ता जा रहा है और उसका कोई भी समायोजन स्त्रस्ञ्ज के रूप में व्यापारियों को प्राप्त नहीं हो रहा है। सभी संगठनों ने बताया कि मार्च माह से देश एवं प्रदेश कोविड 19 के संक्रमण काल से गुजर रहा है, आर्थिक गतिविधियाँ एवं व्यापार बुरी तरीके से प्रभावित हुआ है। प्रदेश में लागू लॉकडाउन में दुकाने एवं कारोबार महीनों बन्द रहा है। जिसके कारण से भी व्यापारी आर्थिक रूप से टूट चुका है कोराना के संकट की वजह से अभी तक उनका व्यापार पटरी पर नहीं आ पाया है। ऐसे में सर्वे एवं तलाशी का आदेश जारी करना कहाँ तक न्यायोचित है। उत्तर प्रदेश के समस्त व्यापारिक संगठनो ने हमेशा सर्वे एवं छापों का विरोध किया है। संगठन ने वर्ष 1980 से बिक्रीकर एवं वैट के सर्वे एवं छापों का विरोध किया। संगठन के विरोध के फलस्वरूप बिक्रीकर एवं वैट सर्वे एवं छापे पूर्णतया बन्द हो गये थे। अब व्यापारी समाज जी.एस.टी. के अन्तर्गत सर्वे एवं छापों का विरोध कर रहा है।। व्यापारी समाज ने इंस्पेक्टर राज एवं भ्रष्टाचार को बढाने वाली ऐसी व्यवस्थाओं का हमेशा विरोध किया है और करता रहेगा। व्यापार मण्डल हमेशा सर्वे छापों का विरोध करता रहा है और भविष्य में भी करता रहेगा। यदि अधिकारी सर्वे करेगा तो संगठन एवं व्यापारी मौके पर ही विरोध करेगे तथा सर्वे छापों का बहिष्कार करेंगे। सर्वे एवं तलाशी अभियान के समय संगठन व्यापारियों एवं विभाग में किसी भी प्रकार के टकराव की स्थिति न वने तो आप द्वारा जारी किए गए सर्वे एवं तलाशी के सम्बन्ध मे दिए गए निर्देश एवं आदेश को अविलम्ब वापिस लिये जाये। बैठक में मुख्यरूप से उ0प्र0 उद्योग व्यापार मंडल के प्रांतीय मंत्री सत्य प्रकाश सिंह मुन्ना, उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के प्रंतीय उपाध्यक्ष प्रमोद टेकरीवाल, संगठन मंत्री नरेश बजाज, युवा अध्यक्ष मनीष सक्सेना, चैम्बर ऑफ ट्रेडर्स के अध्यक्ष अनूप किशोर अग्रवाल,महामंत्री कमलेश अग्रवाल, गोरखपुर किराना कमेटी के अध्यक्ष उमेश मद्धेशिया, महामंत्री गोपाल जायसवाल,दवा विक्रेता समिति के अध्यक्ष योगेंद्र दुबे , महामंत्री आलोक चौरसिया, उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के जिलाध्यक्ष मदन अग्रहरि, महानगर अध्यक्ष अनिल टेबरिवाल, भोला अग्रहरि, गोरखपुर बिस्कुट मर्चेंट एसोसिएशन के महामंत्री राहुल लखमानी ,मीडिया प्रभारी विष्णु अग्रवाल,गोरखपुर डिस्ट्रीब्यूटर एसोसिएशन के अध्यक्ष संतोष अग्रवाल,डिस्पोसल एसोसिएशन के अध्यक्ष विशाल गुप्ता, सर्राफा मंडल के अध्यक्ष पंकज गोयल, नमकीन निर्माता संघ के अध्यक्ष ओम प्रकाश अग्रवाल, 6गोरखपुर तम्बाकू व्यापारी संघ के अध्यक्ष राम किशोर ब्याहुत,गोलघर व्यापार मंडल के अध्यक्ष अभिषेक शाही, गोरखपुर कूक एसोसिएशन के अध्यक्ष राम वृक्ष, पुस्तक व्यापार संघ के अध्यक्ष परमेश्वरजी , बक्शीपुर व्यापार मंडल के महामंत्री बिरजू खतनानी ,पादरी बाजार व्यापार मंडल के अध्यक्ष सुनील जायसवाल, मनोज बंसल,दीपक छापोलिया,नितिन अग्रवाल, अशोक मदान आदि व्यापारी उपस्थित थे।

दहेज के लिए रोज करता था पत्नी की पिटाई, हत्या कर फंदे से लटका दी लाश

गोरखपुर/हरपुर बुदहट थाना क्षेत्र के अंतर्गत बुदहट गांव निवासी एक विवाहिता की 11 सितम्बर को संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा दिया था। पुलिस मामले की छानबीन कर रही थी। पीएम रिपोर्ट आने के बाद विवाहिता के पिता की तहरीर पर शुक्रवार को महिला के पति के खिलाफ पुलिस ने हत्या व दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज कर किया है।खजनी थानाक्षेत्र के उनवल के टेकवार निवासी शिवसागर तिवारी ने अपनी बेटी पुष्पा उर्फ रेवा की शादी हरपुर बुदहट थानाक्षेत्र के बुदहट निवासी संजय शुक्ला उर्फ मोनू के साथ की थी। पिता ने पुलिस को दिए तहरीर में बताया कि शादी के बाद से ही मोनू हमारी बेटी को दहेज के लिये परेशान करता था। वह दो लाख रुपये मांगता था। कई बार समझाया गया लेकिन हमेशा दहेज के लिये प्रताड़ित करता था। मेरी बेटी बार-बार मुझसे कहती कि हमको मार डालने की धमकी देते है। एक बार हमने 20 हजार रुपये दिए थे।11 सितम्बर को बुदहट गांव से ही एक व्यक्ति ने हम लोगों को फोन करके बताया कि आपके दामाद ने आपकी लड़की की हत्या कर दी और आत्महत्या दिखाने के लिए छत की कुंडी से लटका दिया। परिवार के साथ जब हम पहुंचे तो हमारी लड़की की लाश दरवाजे पर पड़ी थी। पिता की तहरीर पर पुलिस ने केस दर्ज करते हुए आरोपी की तलाश मे जुट गई है। थानेदार सुरेश चंद राव ने कहा कि पिता के तहरीर पर संजय शुक्ला के खिलाफ धारा 302,496ꠋ दहेज के 3/4 के तहत मुकदमा दर्ज कर तलाश शुरू कर दी गयी है।

शिक्षकों के हितों की लड़ाई सदैव लड़ता रहूंगाः डॉ विभ्राट चंद कौशिक

गोरखपुर/उत्तर प्रदेश के युवा कल्याण परिषद के उपाध्यक्ष एवं दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री डॉ विभ्राट चंद कौशिक ने आज ग्रामीण क्षेत्र के विद्यालयों का भ्रमण किया। कोरोना संकट में शिक्षकों से ऑनलाइन पढ़ाई के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने सरकारी विद्यालयों में पढ़ा रहे मानदेय शिक्षकों के बेहतर मानदेय के लिए उत्तर प्रदेश सरकार से पहल करने व पुरानी पेंशन बहाली के मांग की बात कही।

डॉ कौशिक ने कौड़ीराम क्षेत्र के विद्यालयों का दौरा किया, जिसमें सर्वोदय किसान इंटर कॉलेज कौड़ीराम व महुजा पकड़ी स्थित विद्यालय में शिक्षकों से उनकी कोरोना महामारी के दौरान हो रही परेशानियों के बारे में जानकारी प्राप्त की एवं उनकी समस्या के निराकरण करने का आश्वासन दिया। इस मौके पर विद्यालय के तमाम शिक्षक गण मौजूद रहे । विद्यालयों में शिक्षकों से संपर्क के दौरान गोरखपुर विश्वविद्यालय के छात्र नेता राजीव नयन सिंह (छोटू) शिवांक चंद, कमल नयन सिंह, दिनेश पहलवान, धीरज शाही, शिवम यादव आदि लोग मौजूद रहे।

बाइक पिकप ओबरटेक से टकराई बाइक चालक की मौत

चिलूआताल गोरखपुर/चिलुआताल थाना क्षेत्र के बरगदवा चौराहे के बगल में स्थित यच पी पेट्रोल पम्प के सामने मोहरीपुर की तरफ से आ रहे बाइक सवार ने पास लेते समय पिकप की चपेट में आ जाने से गम्भीर रूप से घायल हो गया सूचना पर पहुंची बरगदवा चौकी पुलिस घायल को इलाज के लिये प्राईबेट अस्पताल ले गये जहॉ डाक्टरो ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया। साथ ही पिकप व उसके खलासी को बरामद कर कब्जे में ले लिया ड्राइबर भागने में सफल रहा। मिली जानकारी के अनुसार मृतक उदय भान हरिजन उम्र लगभग 50 वर्षीय निवारी कटरा मोहल्ला मुबारकपुर थाना मुबारकपुर जिला आजमगढ का निवासी था। जो स्थानिय थाना क्षेत्र के मोहरीपुर बाजार स्थित एक महिला से अबैद्य सम्बन्ध होने की वजह से यही मकान बना कर उसी के साथ रह कर प्राइबेट कार्य करता था। शुक्रवार को लगभग 10 बजे मोहरीपुर से शहर की तरफ जा रहा था कि बाहन की चपेट में आकर गम्भीर रूप से घायल होने से उसकी मौत हो गयी तलासी के दौरान मिले आधार कार्ड से उसकी पहचान उदयभान के रूप में हो गयी मृतक के परिजनो को पुलिस घटना से अवगत करा दिया है।

गोरखपुर में नहीं थम रहा कोरोना का कहर, 24 घंटे में सात मरीजों की मौत, 185 नए संक्रमित मिले

गोरखपुर/जिले में कोरोना के संक्रमण से अब मौतों की संख्या बढ़ने लगी है। गुरुवार को सात संक्रमित मरीजों की मौत हो गई। इनमें चार गोरखपुर के तथा एक-एक मरीज सिद्धार्थनगर, महराजगंज व कुशीनगर के हैं। वहीं 185 नए मरीज मिले हैं, जिनमें 95 मरीज शहर क्षेत्र के हैं। कोरोना संक्रमण के नमूनों की जांच में 688 निगेटिव व 185 में संक्रमण की पुष्टि हुई। इनमें शहर के 95 व शाहपुर थाना क्षेत्र के सर्वाधिक 27 मरीज शामिल हैं। जिले अब कुल संक्रमितों की संख्या 13479 हो गई है। 11518 स्वस्थ हो चुके हैं। 165 की मौत हो चुकी है। 1769 सक्रिय रोगी हैं।सीएमओ डॉ. श्रीकांत तिवारी ने इसकी पुष्टि की है। वहीं पोर्टल पर मौत के सभी आंकड़े अपलोड न होने से स्वास्थ्य विभाग ने केवल एक मौत की सूचना जारी की है। साथ ही कुल संक्रमितों में से 166 लोगों को घटा दिया गया है। विभाग का कहना है कि इन लोगों के नाम पोर्टल पर दो बार चढ़ गए थे।मृतकों में गोरखनाथ निवासी 55 वर्षीय पुरुष, गुलरिहा के झुंगिया बाजार निवासी 72 वर्षीय महिला व कैंट क्षेत्र निवासी 73 वर्षीय बुजुर्ग मेडिकल कॉलेज में भर्ती थे। बृहस्पतिवार को उनकी मौत हो गई। मेडिकल कॉलेज में ही सिद्धार्थनगर जिले के उस्का बाजार निवासी 55 वर्षीय एक व्यक्ति, महराजगंज के सहजनवां बाबू निवासी 35 वर्षीय युवक व कुशीनगर के हाटा बाजार निवासी 62 वर्षीय बुजुर्ग ने अंतिम सांस ली। इनके अलावा पैनेशिया अस्पताल में भर्ती शहर के 80 वर्षीय बुजुर्ग की भी मौत हो गई।

गोरखपुर शहरी क्षेत्र मे नए मरीज

शहर सबसे ज्यादा शाहपुर और कैंट क्षेत्र में 27-27 मरीज, कोतवाली में 18, गोरखनाथ में 10, तिवारीपुर में पांच, रामगढ़ताल, चिलुआताल में तीन-तीन तथा गुलहरिया व राजघाट क्षेत्र में एक-एक मरीज संक्रमित मिले हैं।

डीडीयू के कुलपति ने कहा- थोड़ा इंतजार करिए, हमारे विद्यार्थी नौकरी ढूंढेंगे नहीं, दूसरों को रोजगार देंगे

गोरखपुर/ विश्वविद्यालय को हम ऐसा बनाएंगे कि यहां पढ़ने वाले विद्यार्थी डिग्री लेकर नौकरी तलाशने नहीं निकलेंगे, बल्कि अपनी विशिष्ट शिक्षा से व्यवसाय और उद्योग लगाएंगे। दूसरों को नौकरी देंगे। इसके लिए विवि 25 रोजगार परक पाठ्यक्रम शुरू करने जा रहा है। अब यहां उद्योगों के लिए शोध किया जाएगा, इससे आय के स्रोत और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। ऐसी तमाम योजनाएं हैं जिनसे विद्यार्थी आत्मनिर्भर बनेंगे। यह कहना है, दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के नवागत कुलपति प्रो. राजेश सिंह का। कुलपति ने अपनी भावी योजनाओं पर अमर उजाला संवाददाता राजन राय से लंबी बातचीत की। **कुलपति प्रो. राजेश सिंह ने ये बाते कहा...** सवाल - नई शिक्षा नीति कैसी है, इसे विश्वविद्यालय में प्रभावी ढंग से कैसे लागू करेंगे? जवाब - नई शिक्षा नीति का ड्राफ्ट पढ़ा है। कुछ टारगेट दिए गए हैं। राय विश्वविद्यालयों में पुराने ढर्रे की ही शिक्षा प्रणाली है। गुणवत्तापरक और रोजगार परक शिक्षा आज की जरूरत है। यकीनन, इसके लागू होने से शैक्षणिक संस्थाएं सिर्फ डिग्री बांटने का काम नहीं करेंगी, बल्कि विद्यार्थियों को नौकरी पाने लायक बनाएंगी। सवाल - विद्यार्थियों की संख्या घटना बड़ी चुनौती है, इसकी वजह क्या मानते हैं, इसे कैसे रोकेंगे? जवाब - इंटरमीडिएट के बाद उच शिक्षा में 50 प्रतिशत बचे जाने चाहिए। भारत वर्ष में यह आंकड़ा 26 फीसदी है, जबकि यूपी में 25 फीसदी ही है। इसके लिए डिस्टेंस लर्निंग प्लेटफॉर्म बनाएंगे, ताकि दूर रहकर भी विद्यार्थी पढ़ सकें। सवाल - ऑनलाइन पढ़ाई कितनी कारगर है? जवाब - कोविड-19 में देखा गया है कि ऑफलाइन से ऑनलाइन पढ़ाई कहीं यादा कारगर है। वर्चुअल क्लास से गुणवत्ता बढ़ेगी, पारदर्शिता आएगी। इसके लिए जो भी जरूरी होगा कराएंगे। सवाल - पढ़ाई का ट्रेंड बदल गया है, लेकिन विश्वविद्यालय व कॉलेजों में पढ़ाई पुराने ढर्रे पर है। यह सामंजस्य कैसे बनाएंगे? जवाब - बिलकुल सही, हमारी शिक्षा प्रणाली समय के हिसाब से नहीं बदली है। विश्वविद्यालय में हम ऐसे कोर्स लाएंगे, जिनकी बाजार में मांग है। अभी 25 रोजगार परक कोर्स शुरू करने जा रहे हैं। इसे अकादमिक कौंसिल से पास कराकर राय सरकार को भेजेंगे। पैकेजिंग, मेकिंग, फूड प्रोसेसिंग, आनुवांशिकी केंद्र, बिजनेस सेंटर, एक्सीलेंस एंड पॉलिटिकल लीडरशिप, होटल मैनेजमेंट आदि। यकीनन, इससे विश्वविद्यालय का स्तर ऊंचा होगा और विद्यार्थियों को नौकरी लायक बना सकेंगे। सवाल - साइंस म्यूजियम की गतिविधियां बंद हैं, इसे लेकर क्या योजना है? जवाब - साइंस म्यूजियम को पूर्वांचल डेवलपमेंट बोर्ड को सौंपने जा रहे हैं। मेरा मानना है कि इकोनॉमी डेवलपमेंट का संबंध सीधा विद्यार्थी से है। आने वाले दिनों में शिक्षा ही इकोनॉमी का हथियार है। इसके अलावा डेवलपमेंट सेंटर बनाएंगे। जहां वर्कशाप कराएंगे। सवाल - विश्वविद्यालय में रिसर्च को बढ़ावा देने की क्या योजना है? जवाब - साइंस म्यूजियम में ही तीसरी मंजिल पर एजुकेशन इंडस्ट्री सेंटर खोला जाएगा। यहां रिसर्च पर काम होगा। शुल्क लेकर इंडस्ट्री और कंपनियों के प्रोडक्ट को लेकर रिसर्च कराएंगे। जैसे मक्के से बायोफ्यूल कैसे बने आदि। इससे आय का स्रोत बढ़ेगा। सभी शिक्षकों से कहा गया है कि वे कम से कम एक रिसर्च प्रोजेक्ट प्रस्तुत करें। सवाल - शिक्षा की गुणवत्ता बड़ी चुनौती है, इसे बेहतर कैसे बनाएंगे? जवाब - शिक्षकों की कमी है। सेंटर ऑफ एक्सीलेंसी विद ग्लोबल एक्सपोर्ट स्थापित करने जा रहे हैं। इसके तहत दूसरे देशों के शिक्षकों की सूची तैयार की जाएगी। शिक्षक कौन हैं, कितना शुल्क लेंगे। इसके बाद विषय की मांग के अनुसार ऐसे शिक्षकों को बुलाएंगे। अगर कॉलेज मांग करेंगे तो उनके यहां भी भेजेंगे। इसके अलावा स्मार्ट क्लास को प्रभावी बनाएंगे। इससे शिक्षा की गुणवत्ता बेहतर होगी। सवाल - संबद्ध कॉलेजों में शिक्षक सिर्फ कागजों में ही हैं, कई बार शिकायतें भी हुई हैं, इसे कैसे रोकेंगे? जवाब - विद्यार्थियों का प्रवेश ऑनलाइन मोड पर लाने जा रहे हैं। इसके बाद शिक्षकों की सूची भी मांगी जाएगी। कोई हेरफेर नहीं कर पाएगा। एक वर्ष में इसे ठीक कर दूंगा। सवाल - यूजीसी की गाइड लाइन है कि सभी कॉलेजों को नैक की ग्रेडिंग लेनी है, यहां कैसे प्रभावी बनाएंगे ? जवाब - सबसे पहले हम विश्वविद्यालय में नैक मूल्यांकन कराएंगे। हमारी सारी योजनाएं उसी को लेकर है। इससे अछी ग्रेडिंग हासिल होगी। सभी कॉलेजों को भी नैक का मूल्यांकन कराना पड़ेगा वरना हम कार्रवाई करेंगे। सवाल - विश्वविद्यालय से संबद्ध सेंट एंड्र्यूज कॉलेज है, जहां नियम विरुद्ध शिक्षक भर्ती का मामला सामने आया है। इस मामले में क्या कार्रवाई हो रही है? जवाब - यह मामला मेरे संज्ञान में आया है। भर्ती रोकने के लिए विश्वविद्यालय की ओर से कड़ा नोटिस कॉलेज को भेजा जाएगा। अगर इसके बाद भी नहीं माने तो संबद्धता रद्द करने का अधिकार भी हमारे पास है।

100 खिलाड़ियों की प्रतिभा निखारेगा विश्वविद्यालय

गोरखपुर विश्वविद्यालय खिलाड़ियों के टैलेंट को भी निखारेगा। परिसर में खेल का माहौल बनाने की कोशिश होगी। खेल को बढ़ावा देने की योजना को साझा करते हुए कुलपति प्रो. राजेश सिंह ने कहा कि हम एक स्पेशल प्रोजेक्ट फ्री फूड, फ्री एडमिशन एंड फ्री एजूकेशन लेकर आ रहे हैं।

ताला छोड़ कर घर में घुसे चोरो ने पूरे घर को खंगाला व स्वीफ्ट डिजायर ले कर फरार

चिलुआताल गोरखपुर/चिलुआताल थाना क्षेत्र के फर्टीलाइजर चौकी अन्तर्गत करीमनगर पोखर भिण्डा में बीती रात नव निर्मित मकान का ताला तोड़ घर में घुसे चोरो ने पूरे मकान को खंगाल डाला कुछ खास सामान न मिलने पर चोरो ने घर में रखा बन्दूक का लाइसेंस व पोर्टिको में खडी स्वीफ्ट डिजायर कार लेकर फरार हो गये शुबह आने पर चोरी की जानकारी हुई है। मिली जानकारी के अनुसार हरिराम सिंह पुत्र बृजमणी सिंह निवासी रामपुर खुर्द थाना गुलरिहा के रहने वाले हैं वह चिलुआताल थाना क्षेत्र के करीमनगर पोरवर भिण्डा में जमीन लेकर मकान बना कर रह रहे है बृहस्पतिवार को बिश्वकर्मा पूजन के दिन अपनी निजी बाहन स्वीफ्ट डिजायर का साफ सफाई करने के बाद पूजा पाठ कर पत्नी को लेकर अपने पैतृक आवाश चले गये शुक्रवार की शुबह आने पर चोरी की जानकारी हुई बीते सत्रह जनवरी को मकान में गृह प्रवेश हुआ था इस वजह से कोई महत्वपूर्ण सामान नही था चोर गेट मे लगे ताले की कुण्डी तोड कर घर में घुस कर पूरे घर को खगाल डाले चोर घर में रखा दो नाली बन्दूक का लाइसेंस व पोर्टिको में स्वीफ्ट डिजायर कार लेकर फरार हो गये 102 न0 की सूचना पर पहुंची चिलुआताल पुलिस लिखित तहरीर लेकर जाँच पड़ताल कर रही है।

प्रदेश में 82,85,710 सैम्पल की जांच

24 घंटें में कोरोना के संक्रमित 6584 नये मामले

लखनऊ, संवाददाता। अपर मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने बताया कि प्रदेश में कोविड-19 टेस्टिंग का कार्य तेजी से किया जा रहा है। प्रदेश में कल एक दिन में अब तक का सर्वाधिक कुल 1,55,897 सैम्पल की जांच की गयी। प्रदेश में अब तक कुल 82,85,710 सैम्पल की जांच की गयी है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में विगत 24 घंटें में कोरोना के संक्रमित 6584 नये मामले आये है। प्रदेश में 24 घंटे में 6806 लोग उपचारित हुए। प्रदेश में रिकवरी का प्रतिशत 78.79 है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 67,825 कोरोना के एक्टिव मामले है। उन्होंने बताया कि

होम आइसोलेशन में 35,124 लोग हैं। होम आइसोलेशन में अब तक कुल 1,73,782 में से 1,38,658 की अवधि की पूर्ण हो चुकी है। निजी चिकित्सालयों में 3926 लोग तथा सेमी पेड एल-1 प्लस में 202 लोग ईलाज करा रहे है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में सरकारी कार्यालयों एवं महत्वपूर्ण संस्थानों में 64,505 कोविड हेल्प डेस्क स्थापित किये जा चुके है। इनके माध्यम से 7,57,435 लोगों का लक्षणात्मक चिन्हांकन किया गया है। जिससे लोगों की सघन प्राथमिक जांच हो सके। प्रदेश में सर्विलांस टीम के माध्यम से 1,09,838 क्षेत्रों में 3,61,587 सर्विलांस टीमों के माध्यम से 2,39,08,813 घरों के 11,89,07,243 जनसंख्या का सर्वेक्षण किया गया है। श्री प्रसाद ने बताया कि कोविड-19 से संक्रमित व्यक्ति ठीक हो जाने पर भी यदि उनकों मानसिक तनाव, उलझन या घबराहट महसूस होती है तो वह हेल्पलाइन नं0 18001805145 पर कॉल कर काउंसलर से सलाह ले सकते है।

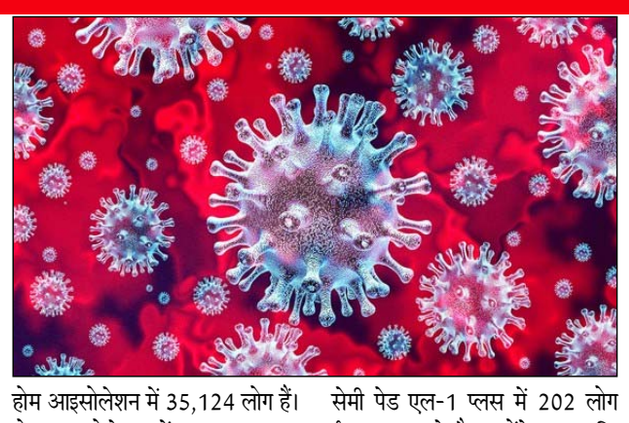

जल चौपाल कर पानी बचाने पर किया जागरूक

लखनऊ, संवाददाता। पानी अमूल्य है, इसका जितना कम खर्च करेंगे, उतना ही हमारी आने वाली पीढ़ी को इसका लाभ मिल पायेगा, यह बात लागों को सम्बोधित करते हुए अरूण सिंह, अध्यक्ष नगर पंचायत, बख्शी का तालाब ने कही, आगे उन्होंने कहा कि जैसा कि हम पिछले कुछ वर्षो से देखते चले आर हें हैं कि गर्मियां आते ही पानी की मांग एवं बरबादी के चलते अधिकतर हैण्डपम्प खराब हो जाते हैं या पानी देना बन्द कर देते है। जल स्तर नीचे जाने के लिए हम सभी लोग जिम्मेदारहै, क्योंकि हम पीने, धुलाई एवं सफाई के कार्यो के लिए साधे तौर पर सबमरसिबल पम्प का इस्तेमाल कर रहे है, जिससे पानी काफी बरबाद होता है। हमें चाहिए कि हम पानी को स्टोर करके रखें और जरूरत के हिसाब से कम से कम इस्तेमाल करें नही तो आने वाले कुछ वर्षो के बाद हमारे बच्चों के लिए साफ पानी उपलब्ध नही होगा।

पटरी दुकानदारों की नहीं हो रही सुनवाई

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ में पटरी दुकानदारों की कोई सुनवाई नहीं हो रही। जिला प्रशासन, पुलिस एवं नगर निगम इनकी बातों को सुनकर भी दरकिनार कर दे रहे हैं। इस उपेक्षा से पटरी दुकानदारों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। वह अब बड़ा कदम उठाने की तैयारी में हैं। पटरी दुकानदार वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष मनीष चौधरी और महामंत्री दीपक सोनकर ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि अनलॉक-4 में पटरी दुकानदारों को दुकानें लगाने का अवसर देने का निर्देश है। जिलाधिकारी व पुलिस कमिश्नर मिलने उनके कार्यालय गए तो मुलाकात नहीं कराई गई। उनके कार्यालय में ही पटरी दुकानदारों की ओर से ज्ञापन दे दिया गया है। पटरी दुकानदारों की पूरी तरह उपेक्षा की जा रही है। उनको रोजी-रोटी छीनने का षड़यंत्र रचा रहा है। छह महीने गुजरने के बाद भी अमीनाबाद के फेरी वालों पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

किसानों का शोषण करने के लिए बीजेपी लाई विधेयकः अखिलेश

लखनऊ, संवाददाता। कृषि से संबंधित विधेयकों को लेकर विपक्षी दल केन्द्र सरकार पर हमलावार बने हुए हैं। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी इस मुद्दे पर सरकार पर निशाना साधा है और इसे खेती को अमीरों के हाथों गिरवी रखने वाला शोषणकारी विधेयक करार दिया है। अखिलेश ने शुक्रवार को ट्वीट कर कहा, भाजपा सरकार खेती को अमीरों के हाथों गिरवी रखने के लिए शोषणकारी विधेयक लाई है। ये खेतों की मेड़ तोड़ने का षड्यंत्र है और साथ ही न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) सुनिश्चित करने वाली मंडियों के धीरे-धीरे खात्मे का भी। भविष्य में किसानों की उपज का उचित दाम भी छिन जाएगा और वह अपनी ही जमीन पर मजदूर बन जाएंगे। वहीं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने भी अपने ट्विट में कहा, एक तो किसानों की आत्महत्या जारी है, ऊपर से यह कृषि संशोधन विधेयक किसानों की बर्बादी की गारंटी है। सरकार की इस विधेयक के बहाने पूंजीवादी व्यवस्था लाने की काली चाल है। सरकार एमएसपी व्यवस्था को खत्म करने को कानूनी व्यवस्था करना चाहती है। उन्होंने कहा कि हम किसानों के साथ है,लड़ाई आखिरी दम तक लड़ेंगे। एक तो किसानों की आत्महत्या जारी है,ऊपर से यह कृषि संशोधन विधेयक किसानों की बर्बादी की गारंटी है। सरकार की इस विधेयक के बहाने पूंजीवादी व्यवस्था लाने की काली चाल है। सरकार डैच् व्यवस्था को खत्म करने को कानूनी व्यवस्था करना चाहती है। गौरतलब है कि कृषि संबंधी बिलों को लेकर बसपा सुप्रीमो मायावती ने भी आपत्ति जताई है।उन्होंने इन बिलों का विरोध किया है। साथ ही कहा है ये सरकार को सोचना चाहिए कि देश का किसान क्या चाहता है। कृषि संबंधित इन बिलों को लेकर कांग्रेस पार्टी पहले से ही विरोध जताती आ रही है। कांग्रेस के बाद बहुजन समाज पार्टी और अब समाजवादी पार्टी ने भी कृषि बिलों का विरोध जताया है।

भाजपा सेवा सप्ताह के पांचवे दिन प्लास्टिक मुक्ति अभियान चलाकर लोगों को किया गया जागरूक

लखनऊ, संवाददाता। भाजपा लखनऊ महानगर द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 70 वे जन्मदिवस को ''सेवा सप्ताह'' के रूप में मनाते हुए पांचवे दिन शहर भर में स्वच्छता व प्लास्टिक मुक्ति अभियान चलाया गया। महानगर अध्यक्ष मुकेश शर्मा ने बताया की प्लास्टिक मुक्ति अभियान के तहत प्रमुख कार्यक्रम का आयोजन उत्तर और पश्चिम विधानसभा के चौक में किया गया, जिसमें प्रमुख रूप से जल शक्ति मंत्री महेंद्र सिंह व क्षेत्रीय विधायक डॉ. नीरज बोरा के नेतृत्व में क्षेत्रवासियों व दुकानदारों, पटरी दुकानदारों से संपर्क करते हुए प्लास्टिक थैली का उपयोग ना करने हेतु जागरूक किया गया तथा शहर को प्लास्टिक मुक्त कराने हेतु सहयोग करने की अपील की गई। अभियान में प्रमुख रूप से महानगर महामंत्री रामअवतार कनौजिया, मंडल अध्यक्ष विशाल गुप्ता, पार्षद रमेश कपूर बाबा, अनुराग मिश्रा अन्नू, शालू टंडन सहित क्षेत्रीय तथा विभिन्न व्यापारिक संगठनों व सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारियों ने सहयोग प्रदान किया।

एलडीए ने रायबरेली रोड पर अवैध निर्माण ध्वस्त कराया

लखनऊ, संवाददाता। एलडीए के प्रवर्तन दस्ते ने शुक्रवार को रायबरेली रोड पर एक अवैध निर्माण ध्वस्त कराया जबकि दो सील कराए गए। कार्रवाई को लेकर लोगों ने विरोध किया। इसके चलते काफी देर तक काम बंद रहा है। प्रवर्तन जोन चार में तीन बिल्डिंग सील करायी गयीं। यहां अलीगंज, अहिबरनपुर व सीतापुर रोड पर कुछ लोगों ने बिना नक्शा पास कराए निर्माण कराया था। संयुक्त सचिव ऋतु सुहास के आदेश के बाद प्राधिकरण दस्ते ने इसे सील कराया। रिलीफअस्पताल के बगल में विनोद कुमार की ओर से कराया जा रहा अवैध निर्माण भी सील कराया गया। उधर रायबरेली रोड पर कल्ली पश्चिम में वीरेन्द्र यादव की ओर से अवैध निर्माण किया गया था। एलडीए ने काम बंद करने की नोटिस दी थी। फिर भी काम नहीं बंद हुआ। जिसके बाद 29 जनवरी को विहित प्राधिकारी ने इसे गिराने का आदेश पारित किया था। शुक्रवार को पहुंचे दस्ते ने इनकी ओर से कराए जा रहे निर्माणों को गिरा दिया।

कुमार केशव ने सीसीएस एयरपोर्ट, कृष्णा नगर और हजरतगंज मेट्रो स्टेशनों का किया दौरा

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के एमडी कुमार केशव ने सीसीएस एयरपोर्ट, कृष्णा नगर और हजरतगंज मेट्रो स्टेशनों का दौरा किया। इस दौरान यात्रियों से बातचीत कर उनके फीड बैक भी लिए। एमडीए ने यात्रियों को गो-स्मार्ट कार्ड के फायदे बताए। कहा कि इससे कॉन्टैक्ट-लेस और कैशलेस यात्रा कर सकते हैं। इसके अलावा उन्होंने स्टेशनों और ट्रेनों में यात्रियों की सुरक्षा और सहूलियत हेतु सभी इंतजामों को भी देखा। वह यात्री सेवाओं के दौरान सभी सरकारी दिशा-निर्देशों के अनुपालन पर संतुष्ट नजर आए। स्टेशनों पर थर्मल स्क्रीनिंग, स्कैनिंग, आरोग्य सेतु की जांच और सैनिटाइजेशन हेतु हेल्प डेस्क बने हैं। प्रबंध निदेशक ने इन पर भी उपलब्ध सुविधाओं और व्यवस्थाओं को देखा। गो स्मार्ट कार्ड से लोगों को 10 प्रतिशत की छूट मिलती है।

परिवहन आयुक्त ने संभाला रोडवेज के एमडी का चार्ज

लखनऊ, संवाददाता। परिवहन आयुक्त धीरज साहू ने शुक्रवार को परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक का चार्ज बतौर अतिरिक्त प्रभार के साथ संभाल लिया। शुक्रवार सुबह कार्यालय पहुंचकर चार्ज संभाला और परिवहन निगम के अफसरों से मुलाकात की। इस दौरान दैनिक बस संचालन के बारे में जानकारी ली। करीब एक घंटे कार्यालय में रहकर परिवहन निगम की व्यवस्था का जायजा भी लिया। बता दें कि ट्रांसपोर्ट कमिशनर धीरज साहू ने रोडवेज के 60 वें एमडी के रूप में चार्ज लिया है। तत्कालीन एमडी डा. राजशेखर का तबादला कानपुर मंडलायुक्त के पद पर हुआ। उन्होंने एक दिन पहले गुरुवार को चार्ज सौंपकर शुक्रवार को कानपुर में मंडलायुक्त का चार्ज ग्रहण कर लिया।

घायलों के इलाज को कैशलेस ट्रीटमेंट फंड जल्द, हो सकता है एक्ट में संशोधन

लखनऊ, संवाददाता। परिवहन विभाग हादसों में गंभीर घायलों के लिए बहुत जल्द कैशलेस ट्रीटमेंट फंड बनाने जा रहा है। सरकार की मंशा है कि हादसों के दौरान गंभीर घायलों को खतरे यानी गोल्डेन आवर्स में समय से अस्पताल पहुंचा उसका कैशलेस इलाज शुरू कराया जा सके जिससे उसकी जान बचाई जा सके। इसके लिए बाकायदा मोटर वेहिकिल एक्ट में नया संशोधन इसी वित्तीय वर्ष में किया जा सकता है। परिवहन विभाग ने आई गाइड को देखते हुए शासन को पत्र लिख दिया है। हादसों में गंभीर रूप से घायल लोगों का अस्पताल में पैसा न जमा हो पाने के कारण समय से इलाज नहीं हो पाता है और चिकित्सालय गंभीर घायलों को भर्ती करने में आनाकानी करते हैं। हादसे का शिकार गंभीर व्यक्ति के लिए यह समय गोल्डेन आवर्स होता है। ऐसे में अधिक से अधिक लोगों की जान बचाई जा सके। इसे देखते हुए कैशलेस ट्रीटमेंट व्यवस्था बनाई जा रही है। इसके लिए बाकायदा एक फंड बनाया जाएगा जिससे हादसे के शिकार गंभीर लोगों को समय से तत्काल निश्शुल्क उपचार की व्यवस्था कराई जा सके। इससे निजी अस्पताल रेफर पद्धति का बहाना बना घायल को रेफर कर पल्ला नहीं झाड़ सकेंगे। हादसों के दौरान घायलों की मदद करने वाले गुड सेमिरिटन यानी अच्छे नागरिक को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार ने दो हजार की धनराशि देने पर विचार किया था।

डॉक्टर ने कहा लूटपाट, एसएचओ पारा ने कहा झूठा, एफआईआर की मांग

लखनऊ, संवाददाता। आईपीएस अफसर अमिताभ ठाकुर ने थाना पारा क्षेत्र में 14 सितम्बर 2020 की रात डॉ आशुतोष राज, अधीक्षक, सीएचसी, लखनापुर, उन्नाव के साथ मारपीट, गालीगलौज, जबरदस्ती मोबाइल ले लेने आदि की घटना की एफआईआर दर्ज करते हुए इस संबंध में हीलाहवाली करने वाले थानाध्यक्ष पारा के खिलाफकार्यवाही किये जाने की मांग की है. पुलिस कमिश्नर लखनऊ सुजीत पाण्डेय को भेजे पत्र में अमिताभ ने कहा कि डॉ आशुतोष राज के अनुसार वे अपने एक डॉक्टर साथी डॉ नीरज सिंह राजपूत, सर्जन, झाँसी मेडिकल कॉलेज के साथ गाड़ी संख्या न्च32श्रज्ञ7553 से डॉ राजपूत को गेस्ट हाउस छोड़ने जा रहे थे कि नरोना को जाने वाली रोड (काकोरी मोड़) के पास काकोरी की तरफसे आने वाली गाड़ी संख्या न्च32ज्ञथ्8410 ने उनकी गाड़ी पर जोरदार टक्कर मारी, जिसके बाद दूसरी ओर से करीब 15-20 लोग इकठ्ठा हो गए. उन लोगों ने डॉ

आशुतोष राज को धक्का मारा जिससे उन्हें खरोंच लगी, साथ ही इन लोगों ने डॉ राज तथा डॉ राजपूत से गालीगलौज एवं हाथापाई की. इतना ही नहीं, अपनी गाड़ी में हुए कथित नुकसान की भरपाई के लिए वे डॉ राज को जबरदस्ती मोटरसाइकिल में बैठा कर बुद्धेश्वर स्थित ।ज्ड ले गए, जहाँ डॉ राज ने रु0 10,000 निकाल कर उन लोगों को दिया, जिसके बाद ही उन लोगों ने करीब 11.30 बजे उन्हें छोड़ा. डॉ राज के अनुसार इन लोगों ने इस दौरान डॉ राज के सिम नंबर 9455001137 व 8299187775 वाला मोबाइल तथा डॉ राजपूत के सिम नंबर 9917966948 व 8755242131 वाला मोबाइल एवं कुछ रुपये भी गायब कर लिए,अमिताभ ने कहा कि डॉ राज उसी रात थाना पारा गए किन्तु थानाध्यक्ष ने एफआईआर नहीं लिखा तथा डॉ राज को ही झूठा बताया।

किसान बिल के विरोध में सपा-बसपा

किसानों की सहमति के बगैर लिए फैसले से बसपा सहमत नहींः मायावती

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी के अलावा बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने संसद में पारित किसान संबंधी विधेयकों के पारित होने पर विरोध जताया है। बसपा सुप्रीमो मायावती ने शुक्रवार को ट्वीट किया'' संसद में किसानों से जुड़े दो बिल, उनकी सभी शंकाओं को दूर किये बिना ही, कल पास कर दिये गये हैं। उससे बी.एस.पी. कतई भी सहमत नहीं है। पूरे देश का किसान क्या चाहता है। इस ओर केन्द्र सरकार जरूर ध्यान दे तो यह बेहतर होगा। इसी प्रकार सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने ट्वीट किया '' भाजपा सरकार खेती को अमीरों के हाथों गिरवी रखने के लिए शोषणकारी विधेयक लाई है। ये खेतों की मेड़ तोड़ने का षड्यंत्र है और साथ ही एमएसपी सुनिश्चित करनेवाली मंडियों के धीरे-धीरे खात्मे का भी. भविष्य में किसानों की उपज का उचित दाम भी छिन

जाएगा और वो अपनी ही जमीन पर मजदूर बन जाएँगे। गौरतलब है कि लोकसभा में कृषि उपज व्यापार और वाणिज्य (संवर्धन और सरलीकरण) विधेयक और कृषक (सशक्तिकरण और संरक्षण) कीमत आश्वासन और कृषि सेवा पर करार विधेयक पारित किया गया जिसका पंजाब समेत देश के कुछ राज्यों में विरोध हो रहा है। इस बिल के विरोध में राजग के घटक दल की शिरोमणि अकाली दल की मंत्री हरमिरत कौर बादल ने इस्तीफा दे दिया है हालांकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्पष्ट किया है कि बिल कृषि क्षेत्र में बिचौलियों की परंपरा को खत्म करेगा जिसका सीधा असर किसानो की आय पर पड़ेगा। उन्होने ट्वीट किया'' किसान और ग्राहक के बीच जो बिचौलिए होते हैं, जो किसानों की कमाई का बड़ा हिस्सा खुद ले लेते हैं।

जीएसटी आयुक्त से मिलकर व्यापारियों ने कहा,तत्काल वापस लें छापेमारी का आदेश

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश वाणिज्य कर विभाग द्वारा हर माह दस व्यापारियों के प्रतिष्ठानों पर छापेमारी और तलाशी संबंधी आदेश पर तीखी नाराजगी जाहिर की है। लॉकडाउन और कोविड-19 के चलते कारोबार पहले ही ठप हो चुका है, ऐसे में विभाग के इस नए फरमान से व्यापारियों व कारोबारियों में भय और रोष है। शुक्रवार को उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के एक प्रतिनिधिमंडल ने वाणिज्य कर आयुक्त उत्तर प्रदेश अमृता सोनी से मिलकर नाराजगी जाहिर की। उप्र व्यापार मण्डल के अध्यक्ष बनवारीलाल कंछल के नेतृत्व में मुलाकात करने पहुंचे प्रतिनिधि मण्डल ने कर आयुक्त से कहा, आपने हर महीने 10 व्यापारियों का चयन कर उनके यहां छापे डालने और तलाशी लेने के का आदेश दिया है। जबकि प्रदेश का व्यापारी ईमानदारी से अपना टैक्स भर रहा है। महामारी और लॉकडाउन के कारण व्यापार पहले से ही काफी खराब हालत में पहुंच चुका है। इन हालात में व्यापारी वर्ग को छापे का भय दिखाकर परेशान करना उचित नहीं है। व्यापार मण्डल आपके इस आदेश का विरोध करता है। प्रतिनिधि मण्डल ने वाणिज्य कर आयुक्त से विशेष अनुसंधान शाखाओं को दिया गया आदेश तत्काल वापस लेने की मांग की है। प्रतिनिधि मण्डल में वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेंद्र अग्रवाल, संसदीय महामंत्री अमरनाथ मिश्रा, प्रदेश प्रभारी सुनील गुप्ता व देवेंद्र मिश्रा भी मौजूद रहे। प्रतिनिधि मण्डल की चिंता और समस्या सुनने के बाद वाणिज्य कर कर आयुक्त ने कहा, किसी भी व्यापारी को बेवजह परेशान नहीं किया जाएगा। कर आयुक्त ने तत्काल एक प्रेस नोट जारी कर अपने आदेश पर स्पष्टीकरण दिया। जिसकी एक कॉपी प्रतिनिधि मण्डल को भी सौंपी। कर आयुक्त ने बताया कि विभिन्न व्यावसायिक प्रतिष्ठानों द्वारा कर चोरी आदि के लिए पहले भी छापे और तलाशी की जाती रही है। लेकिन तब कर विभाग के अधिकारी मनमाने ढंग से किसी भी व्यापारी या प्रतिष्ठान का चयन कर जांच शुरू कर देते थे, जो उचित नहीं था। 10 सितंबर को जारी किए गए।

योरोप, रूस, आस्ट्रेलिया, पाकिस्तान में भी मिलते हैं वैश्विक राम के साक्ष्य

लखनऊ, संवाददाता। ग्लोबल इन्साइक्लोपीडिया ऑफ रामायण योजना में केन्द्रीय संस्कृति विभाग, अयोध्या शोध संस्थान और बंगाल रामायण शोध समूह की ओर से अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। गूगल-मीट के माध्यम से हुए इस वेबिनार में राम-सीता के नाम पर रखे गए नदी-झीलों के नाम, प्रचलित सिक्कों और पहाड़ों की दीवार पर अंकित म्यूरल पेन्टिंग आदि के माध्यम से राम के वैश्विक छवि को उजागर किया गया। अयोध्या शोध संस्थान के निदेशक योगेन्द्र प्रताप सिंह की परिकल्पना और जगमोहन रावत के तकनीकी संचालन में हुई इस वेबिनार में ग्लोबल इनसाइक्लोपीडिया रामायण प्रोजेक्ट की संयोजिका अनीता बोस ने बताया कि विभिन्न कारणों से विश्वभर में बस गए भारतीयों के कारण ही आज हिन्दुस्तान मूल के पुरुषोत्तम राम, वैश्विक नायक राम हो गए हैं। वैश्विक राम के केवल बाहरी रूपों में भिन्नताएं दिखती हैं पर मूल भाव में एक ही है। रूस और यूरोप से लेकर आस्ट्रेलिया तक में रामकथा के साक्ष्य इसके ठोस प्रमाण है। यहां तक की पाकिस्तान के मुल्तान में रामकथा के प्रमाण मिलते हैं।वेबिनार के मुख्य अतिथि ऑस्ट्रेलिया के चिन्मय मिशन के आध्यात्मिक अध्यापक स्वामी श्रीकरानंद ने आस्ट्रेलिया में रामकथा के पहुंचने से लेकर उसकी परंपरा की वृहद जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रामकथा वहां के युवाओं को संस्कारित कर उनके दैनिज जीवन को भी प्रभावी बना रही है। अमेरिका स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस साइंस के प्रो.बलराम सिंह ने कहा कि रामायण इसलिए भी वैश्विक प्रेरक ग्रंथ है क्यों कि उसमें एक ओर जहां राम को पुरुषोत्तम बताया गया है वहीं उस काल की महिलाओं को भी अबला नहीं बल्कि संस्कारों की धनी श्रेष्ठ भारतीय नारी के रूप में स्थापित किया गया है। रामायण कालीन महिलाएं दार्शनिक है वहीं वह समाज सुधारक भी है। वह पारिवार का नेतृत्व करती है वहीं युद्ध में योद्धा और कमांडर की भूमिका में भी दिखती हैं। वह कुशल प्रबंधक है वहीं आदर्श मित्र भी। रूस स्थित दिशा संस्थान के संस्थापक-अध्यक्ष डॉ.रामेश्वर सिंह, रूस में रामायण की परंपरा की जानकारी दी। योरोप की शोधार्थी सास्वती बरदोलोई ने बताया कि दक्षिण पूर्व एशिया के देशों के अलावा रामकथा के पर्याप्त साक्ष्य योरोप में भी मिलते हैं। इटली में प्राचीन इत्रस्की सभ्यता की दीवार में जो पेंटिंग्स तक में रामायण के साक्ष्य मिलते है। दरबंद-ए-बेलुला दीवार में ढाले गये वह चित्र लगभग दो हजार ईसापूर्व के हैं। उन्होंने बताया कि रूस के वोल्गा क्षेत्र में रामायण प्रभाव के प्रमाण मिलते है।

नहर में सिर कटी लाश मिलने से फैली सनसनी, जांच में जुटी पुलिस

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश मलिहाबाद थाना क्षेत्र स्थित ढेडे मऊ गांव के पास शुक्रवार की सुबह नहर में एक शव उतराते देखा गया। मौके पर जमा भीड़ उस समय बुरी तरह सहर गई जब उसने देखा कि शव का सिर शरीर से अलग पड़ा हुआ है। इससे पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। आनन-फानन में ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मलिहाबाद थाना क्षेत्र स्थित ढेडे मऊ गांव के पास सुबह एक शव नहर में उतराते हुए देखा गया। आसपास के लोगों की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को गॉव वालों के साथ नहर से बाहर निकाला। सिर कटी लाश मिलने से ग्रामीणों का ताता लग गया। पुलिस ने पृथम दृष्ट्या जांच के बाद कहा कि शायद इस युवक की बीती देर रात बेदर्दी से हत्या कर दी गई है। पुलिस ने यह भी शंका जताई कि शायद किसी दूसरे स्थान पर युवक की हत्या कर शव को यहां तालाब किनारे फेंका गया है। मलिहाबाद थाना क्षेत्र के पुलिस ने मौके पर बारीकी से जांच की कि कहीं कोई हत्यारों का या इस शव की शिनाख्त का सूत्र मिल जाए। जिसके बाद पुलिस ने आसपास के गांव वालों से शव की शिनाख्त करने की कोशिश की लेकिन उसकी पहचान नहीं हो सकी। फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश यवाणिज्य कर आयुक्त को धन्यवाद

लखनऊ, संवाददाता। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल द्वारा वाणिज्य कर आयुक्त द्वारा जारी किए गए शासनादेश जिसमें सर्वे छापे के लिए विशेष अनुसंधान शाखा एसव आईव बी को टर्न ओवर के आधार पर सर्वे करने का अधिकार दिया गया था अपना विरोध और आपत्ति दर्ज कराने पर उस आदेश में संशोधन करते हुए उसका स्पष्टीकरण इस प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से जारी किया गया। कार्यकारिणी सदस्य प्रदीप अग्रवाल, कार्यवाहक अध्यक्ष जावेद बेग, युवा महामंत्री रितेश गुप्ता, प्रदेश मीडिया प्रवक्ता एवं नगर महामंत्री महामंत्री सुरेश छाबलानी ने बताया कि अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल एवं उत्तर प्रदेश युवा उद्योग व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को धन्यवाद देते हुए व्यापारियों की भावनाओं को समझने के लिए और उनको सम्मान देने के लिए आभार व्यक्त किया है।

जिलाधिकारी ने कोविड कमांड सेंटर में टेलीकॉलर बनकर कोरोना पॉजिटिव मरीजों का जाना हाल

लखनऊ, संवाददाता। हेलो! मैं लखनऊ डीएम बोल रहा हूं, कोविड कमाण्ड सेंटर से3कोविड पॉजिटिव शांतिदेवी को किस अस्पताल के लिए रेफर किया गया है3कोविड कमाण्ड सेंटर से आपको जानकारी और सहायता मिल रही है या नहीं, .दवाएं मिलीं या नहीं, जांच हुई या नहीं। जिलाधिकारी अभिषेक ने शुक्रवार को खुद राजधानी के कोरोना पॉजिटिव मरीजों के परिजनों से फोन पर बात कर उनके कोरोना पॉजिटिव रिश्तेदारों के बारे में हाल जाना। यहां पर होम आइसोलेशन व पब्लिक ग्रीवेंस रिड्रेसल सिस्टम द्वारा प्रदान की जा रही विभिन्न सेवाओं जैसे एंबुलेंस, हॉस्पिटल ऐडमिशन, डोर स्टेप मेडिसिन डिलीवरी इत्यादि कार्यो कायों की हकीकत जानने लिए खुद टेलीकॉलर बन गए। जिलाधिकारी ने कोविड कमांड सेंटर में कॉलिंग एजेंट बनकर होम आइसोलेट और अस्पतालों में भर्ती पॉजिटिव मरीजों के परिजनों से सरकारी सहायता और जांच आदि के बारे में जानकारी ली।

आज सपा नेता, सपा प्रतिनिधिमंडल दल आज मिलेगा, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से मुलाकात, सुनील साजन, उदयवीर सिंह आनंद भदौरिया, नरेश उत्तम पटेल की अध्यक्षता में मिलेंगे, कई मुद्दों पर राज्यपाल को ज्ञापन देंगे, राजभवन जाएंगे सपा नेता

किसानों की दुर्गति

आत्मनिर्भर भारत अभियान की आड़ में भारत की आत्मा को कैसे मारा जा रहा है, इसका ताजा उदाहरण है आवश्यक वस्तु संशोधन अधिनियम का लोकसभा में पारित हो जाना। भाजपा अपने बहुमत के बूते लगातार मनमाने फैसले ले रही है और इसी कड़ी में संसद के मानसून सत्र में विपक्ष के और कुछ सहयोगी दलों के विरोध के बावजूद मोदी सरकार ने आवश्यक वस्तु संशोधन बिल को संसद के निचले सदन में पारित करा लिया। इस में अनाज, दलहन, तिलहन, खाद्य तेल, प्याज, आलू इन तमाम वस्तुओं को आवश्यक वस्तुओं की सूची से हटाने का प्रावधान है। अब तक ये सारी चीजें आवश्यक वस्तुओं की सूची में आती थीं, इसका मतलब इनकी जमाखोरी कानूनन अपराध थी। कोई भी कृषि उपज को जरूरत से अधिक जमा न करे और इनकी कालाबाजारी न करे, इसलिए आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 बनाया गया था। इससे एक ओर किसानों को उनकी उपज का उचित दाम मिलता था और गरीब आदमी को भी सही कीमत पर अनाज, दालें, खाने का तेल, आलू-प्याज आदि बाजार में उपलब्ध हो जाते थे। महंगाई बढ़ने के साथ इनकी कीमतें भी बढ़ती थीं, लेकिन आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के कारण कारोबारी जमाखोरी करने और फिर जबरदस्ती मांग बढ़ाकर महंगी कीमत पर इन चीजों को बेचने का खेल नहीं खेल सकते थे। लेकिन उद्योगपतियों का मुनाफा करवाने और गरीब आदमी को खून के आंसू रुलाने के लिए प्रतिबद्ध मोदी सरकार ने अब इस खेल की शुरुआत भी कर दी है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मई में 20 लाख करोड़ रुपये के आत्मनिर्भर भारत अभियान आर्थिक पैकेज की तीसरी किस्त के तहत इसका ऐलान किया था

कि सरकार आवश्यक वस्तु अधिनियम में बदलाव करेगी। साथ ही यह भी बता दिया था कि अनाज, खाद्य तेल, तिलहन, दाल, प्याज और आलू के बाजार भाव में सरकार का कोई हस्तक्षेप नहीं होगा। उस वक्त देश कोरोना से डरा हुआ था और सरकार से राहत की उम्मीदें बांध रहा था। इसलिए सरकार की इस चालाकी पर अधिक चर्चा नहीं हुई। तब यह अनुमान भी नहीं था कि अगले कुछ महीनों में सरकार इसके लिए कानून ही बनाने लगेगी। अब इस विधेयक के जरिए अनाज, दलहन, तिलहन, खाद्य तेल, प्याज और आलू को सरकार के नियंत्रण से मुक्त कर बाजार के हवाले कर दिया गया है और सरकार का कहना है कि यह सब किसानों के भले के लिए है। केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण राज्यमंत्री राव साहेब पाटिल दानवे का कहना है कि 1955-56 में देश में गेहूं का उत्पादन सिर्फ 100 लाख टन था जो अब बढ़कर 1000 लाख टन से ज्यादा हो गया है और चावल का उत्पादन 250 लाख टन था जो बढ़कर 1100 लाख टन हो गया है। इस संशोधन से कृषि क्षेत्र में निवेश बढ़ेगा, जिससे किसानों को उनके उत्पादों का बेहतर दाम मिलेगा। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को भी यह फैसला किसानों की समस्याओं के लिए रामबाण लगता है। उन्होंने कहा कि आवश्यक वस्तु अधिनियम वर्ष 1955 का है, उस वक्त उपज काफी कम थी, जो अब बहुत बढ़ गई है। अब इसको डिरेग्यूलेट करते हुए अपवाद की स्थिति का ध्यान रखा गया है। इससे प्राइवेट सेक्टर भी निवेश कर पाएगा। उन्होंने जिस तरह प्राइवेट सेक्टर का जिक्र किया, उससे जाहिर होता है कि सरकार की मंशा किसे लाभ पहुंचाने की है। जहां तक 1955 में सौ लाख टन गेहूं उपजने का तर्क है, तो तब आबादी भी 36-37 करोड़ थी, जो अब सवा सौ करोड़ हो गई है। अगर आज आबादी महज 40-50 करोड़ होती और गेहूं-चावल आदि का उत्पादन 10-11 हजार लाख टन होता, तब यह तर्क काम करता कि जमा करने की सीमा तय करने की क्या जरूरत। पर सच्चाई ये है कि आज देश बुरी तरह कुपोषण का शिकार है। लाखों लोग आधे पेट खाकर सोते हैं। किसान को अपनी उपज का सही दाम अब भी नहीं मिल रहा है। जिस वजह से वह कर्ज में डूब रहा है और आत्महत्या को मजबूर हो रहा है। ऐसे में अगर आलू-प्याज, खाद्य तेल जैसी चीजों के दाम अगर बाजार के हवाले हो जाएंगे, और बड़ी रिटेल कंपनियां इसकी प्रमुख खिलाड़ी होंगी तो वे किसानों से अपनी शर्तों पर उनकी उपज खरीदेंगी और बेचेंगी भी अपनी ही शर्तों पर। इस वक्त जब यह अधिनियम अपने मूल रूप में लागू है, तब तो आलू-प्याज की कीमतें बेतहाशा बढ़ चुकी हैं। जब इनकी जमाखोरी को कानूनी मान्यता मिल जाएगी, तब गरीब किसान और गरीब जनता के लिए हाहाकार मच जाएगा। इसके अलावा सरकार ने किसानों से जुड़े दो और फैसले लिए हैं, पहला कृषि उत्पादन और वाणिज्य (संवर्धन और सुविधा) अध्यादेश, 2020 लाया गया है, जिसमें प्रावधान है कि किसान अपनी फसल कृषि उपज मंडियों के बाहर भी व्यापारियों को बेच सकता है और दूसरा अनुबंध आधारित खेती को कानूनी वैधता देना। ये फैसले भी किसानों के हितों पर गहरा आघात करने वाले हैं। लेकिन सरकार निवेशकों, उद्योगपतियों के हितों को ध्यान में रखते हुए इन्हें लागू करने पर अड़ी हुई है। मंडियों से बाहर खरीदी, बिक्री की व्यवस्था करने का मतलब किसानों को व्यापारियों के रहमोकरम पर छोड़ देना है। अब तक कृषि उपज मंडियों में किसानों को एमएसपी के आसपास फसल के दाम मिल जाया करते थे। लेकिन अब व्यापारी उनसे किसी भी कीमत पर फसल खरीद कर उनका भंडारण कर देश के किसी भी हिस्से में मनमानी कीमतों पर बेच सकेंगे। पूरे देश में कहीं भी कृषि का कारोबार करने की सुविधा बड़े उद्योगपतियों के पास ही होती है। किसान तो अपनी फसल कृषि उपज मंडी तक ही बड़ी मुश्किल से पहुंचाता है। उसके पास भंडारण की बहुत सुविधा भी नहीं होती। अगली फसल की तैयारी भी करनी होती है। उसकी इस मजबूरी का फायदा सरकार के उद्योगपति मित्र ही उठाएंगे। अनुबंध वाली खेती में भी किसान के अपनी ही जमीन पर मजदूर हो जाने का खतरा है। सरकार के इन तथाकथित किसान हित वाले फैसलों से किसान बेहद नाराज हैं। इसका एक नमूना बीते दिनों हरियाणा में देखने मिला था। आंदोलनों को कुचलने में कुशल यह सरकार किसानों की आवाज को पहले भी कई बार दबा चुकी है और शायद एक बार फिर ऐसा करने में कामयाब हो जाए। लेकिन जनता सोचे कि जय जवान, जय किसान का नारा देने वाले इस देश में किसानों की कैसी दुर्गत ये सरकार कर रही है।

सम्पादकीय

लोकतंत्र बनाम तानाशाही

ताकि घर के पास मिले रोजगार

अंग्रेज भारत को वनों का महासागर कहते थे। इन पेड़-पौधों को ग्राम और आदिवासी समूहों ने पाला-पोसा था। दादाभाई नौरोजी के शब्दों में कहें, तो भारत के आर्थिक शोषण के लिए अंग्रेजों ने इन सामुदायिक संगठनों को खत्म कर दिया और वन्य-भूमि को राज्य की संपत्ति बताकर उन पर कब्जा जमा लिया। सिर्फ गोवा इससे बच सका। हालांकि, पुर्तगालियों ने भी ग्राम समूहों को खत्म करने का वहां प्रयास किया था, पर भू-राजस्व में खासा नुकसान होने पर उन्होंने यह कवायद रोक दी। इसीलिए वर्ष 1961 तक गोवा वनों का महासागर बना रहा। इसके कारण भी वहां पर्यटकों की खूब आवाजाही लगी रही। आज भी गांवकरी या 'कम्यूनिदाडे' संगठनों (जमीन पर पूरा मालिकाना हक रखने वाले संगठन) ने वहां साहसिक तरीके से प्राकृतिक विरासत को सहेजकर रखा है। असल में, आजादी के बाद भी भारत का शासक वर्ग औपनिवेशिक मानसिकता में जकड़ा हुआ रहा। फिर भी, कई ऐसे जन-हितैषी कदम उठाए गए हैं, जो देश में लोकतंत्र के गहरे होते जाने का नतीजा हैं। जैसे, संविधान में 73वां और 74वां संशोधन किया गया, जिसके कारण 1992 में पंचायती राज की स्थापना हुई। साल 2005 में सूचना का अधिकार कानून बना। वर्ष 2006 में अनुसूचित जनजाति और अन्य पारंपरिक वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम बना, जिसको वन अधिकार अधिनियम 2006 (एफआरए) के रूप में भी जाना जाता है। इन सभी ने जन-अधिकारों को बहाल करने में भरपूर मदद की है। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में, जहां राज्य में सबसे ज्यादा 70 फीसदी जंगल हैं, मुख्य रूप से आदिवासियों ने ही पेड़ों को बचाकर रखा है। यह एक ऐसा जिला है, जहां वन अधिकार अधिनियम के सामुदायिक वन संसाधन (सीएफआर) अधिकार व अन्य प्रावधान ठीक से लागू किए गए हैं और गांवों को लाखों हेक्टेयर जमीनें दी गई हैं, ताकि वे बांस, बेंत, चारा, पत्तियां जैसे लघु वनोत्पादों का प्रबंधन कर सकें। इस जिले की यह सूरत सक्षम आदिवासी नेतृत्व और कुशल व ईमानदार अधिकारियों की साझा मेहनत का नतीजा है। यहां के लोगों को सामुदायिक वन संसाधन अधिकार 2009 में दिए गए, जिसने कौशल विकास व समूह आधारित रोजगार का खासा निर्माण किया। इस कानून के लागू होने से पहले गढ़चिरौली की महिलाएं सरकार की निरर्थक कौशल विकास योजना का लाभ उठा चुकी थीं, जिसके तहत उन्हें एयर होस्टेस के लिए प्रशिक्षित किया गया था। लेकिन कोर्स पूरा करने के बावजूद कोई भी विमानन कंपनी इन महिलाओं को अपने यहां रोजगार देने को तैयार नहीं थी। इसी तरह, पड़ोस के चंद्रपुर जिले के पचगांव में 1,000 हेक्टेयर जमीन पर सामुदायिक वन संसाधन अधिकार दिए गए। यहां की ग्राम सभा ने प्रत्येक परिवार को वन संसाधनों और अन्य नागरिक मसलों के प्रबंधन के लिए पांच-पांच नियम बनाने का कहा। इसके बाद दो दिनों की बैठक में उन नियमों पर चर्चा की गई और 115 नियम सर्वसम्मति से स्वीकार किए गए। अब पूरा समुदाय इन 115 नियमों का पालन करता है। इनमें बांस व अन्य लघु वनोत्पादों की कटाई, सामुदायिक वन संसाधन अधिकार क्षेत्र में नियमित गश्त और बांस को काटने व नीलाम करने की साझी जिम्मेदारी शामिल है। पहले यहां के ग्रामीण ठेकेदारों के लिए तेंदू के पत्ते तोड़ते थे और ठीक-ठाक कमा लेते थे। लेकिन इसके लिए उन्हें जंगल के कुछ हिस्सों में आग लगानी पड़ती थी, जिसे वे पसंद नहीं करते थे। अब तेंदू के पेड़ फलों से लदे रहते हैं। और इन फलों की मांग पत्तों से कहीं ज्यादा है। बहुत संभव है कि एक अंतराल के बाद पत्तियों की बजाय इसके फल की बिक्री ग्रामीणों के लिए आर्थिक रूप से कहीं अधिक फायदेमंद साबित हो। बेशक, ठेकेदार की तुलना में बांसों की कटाई में उन्हें तीन गुना अधिक खर्च करना पड़ता है, फिर भी 2015 में बांस की बिक्री से 35 लाख रुपये का शुद्ध लाभ उन्होंने कमाया। यहां सुव्यवस्थित जंगल व ग्राम विकास कार्यों में निवेश किया गया है, जो साल भर रोजगार मुहैया कराते हैं। सीएफआर अधिकारों से सशक्त होने से पहले कई ग्रामीण पलायन करके गुजरात में जिंदगी बसर करते थे, लेकिन अब कोई गांव छोड़कर नहीं जाता। पचगांव की कहानी उन तमाम गांवों तक जरूर पहुंचनी चाहिए, जिनके पास सीएफआर अधिकार हैं। इस कोशिश के तहत महाराष्ट्र के आदिवासी विकास विभाग ने मेंढा-लेखा (2009 में सीएफआर अधिकार हासिल करने वाला पहला गांव) में पांच महीने का विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रायोजित किया था। मैं भी इस कार्यक्रम का हिस्सा था, जिसमें 24 नौजवान और तीन महिलाओं को प्रशिक्षित किया गया था।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था और हस्तशिल्प

भारत समेत दुनिया की लगभग सभी सभ्यताओं में जीविकोपार्जन के संसाधनों में हस्तशिल्प का बड़ा योगदान रहा है. वास्तव में हस्तशिल्प उद्योग, भारत के रचनात्मक सामर्थ्य की अभिव्यक्ति के साथ ही भारतीय समाज की एक सांस्कृतिक संरचना भी है. हस्तशिल्पी सनातन काल से भारतीय अर्थव्यवस्था के प्रभावशाली आधार रहे हैं. मुगलों और फिरंगियों की साम्राज्यवादी सोच ने भारतीय ग्रामीण संस्कृति को बहुत हानि पहुंचायी. अंग्रेजों के समय इस क्षेत्र पर सत्ता प्रतिष्ठानों द्वारा संगठित रूप से प्रहार किया गया.नतीजा, धीरे-धीरे हमारे देश की अर्थव्यवस्था का आधार निष्प्राण हो गया. स्वतंत्र भारत में भी आधुनिकता के नाम पर साम्राज्यवादी सोच आधारित विकास मॉडल ही खड़ा किया गया, जबकि महात्मा गांधी ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को दुरुस्त करने की बात कही थी. उन्होंने स्वदेशी सोच पर आधारित कुछ आधुनिक मॉडल भी प्रस्तुत किये, लेकिन बाद की सरकारों ने उस पर कुछ नहीं किया.गांधीजी ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को आधार बनाकर खादी व बुनियादी स्कूलों की स्थापना करवायी, लेकिन सत्ता प्रतिष्ठानों में बैठे प्रभावशाली नौकरशाहों ने आधुनिकता के नाम पर पश्चिम परस्त विकास मॉडल अपनाया. इससे पहले ग्रामीण कारीगरी आधारित कुटीर उद्योग खत्म हुए, बाद में खेती चौपट हो गयी और ग्रामीण भारत उजड़ गया. कोविड महामारी ने एक बार फिर से हमारा ध्यान ग्रामीण अर्थवस्था की ओर आकृष्ट किया है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकल को वोकल बनाने की बात कही है.

इस नारे में पूरा अर्थशास्त्र छुपा है. यदि हम इसे अपना जीवन आधार बना लें, तो आत्मनिर्भर भारत का निर्माण संभव है. कोविड संक्रमण से जूझ रही अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए गत दिनों भारत सरकार ने 20 लाख करोड़ रुपये के पैकेज की घोषणा की थी. ग्रामीण क्षेत्र की आधारभूत संरचना की मजबूती के लिए बड़े वित्तीय सहायता देने की बात भी इस घोषणा में है. वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण कृषि क्षेत्र को मजबूत करने की बात बार-बार दुहरा रही हैं. जब तक ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत नहीं होगी, तब तक आत्मनिर्भर भारत की कल्पना भी नहीं की जा सकती. ग्रामीण अर्थव्यवस्था में कृषि व पशुपालन के अतिरिक्त दो और बड़े आधार स्तंभ हैं, हस्तशिल्प उद्योग और भूमिहीन किसान. जब तक इन दोनों को सशक्त नहीं बनाया जायेगा, आत्मनिर्भर भारत व लोकल को वोकल बनाने का नारा महज नारा ही रहेगा. ग्रामीण आधारभूत संरचना को दुरुस्त करने के लिए इन चारों को अच्छे प्रशिक्षण की जरूरत है. भारतीय कृषि जब से मशीनीकृत हुई है, तभी से कृषि क्षेत्र में मंदी आयी है. पहले ग्रामीण शिल्पकार कृषि यंत्रों का निर्माण करते थे. ग्रामीण जरूरतों के रोजमर्रा के अधिकांश सामान ग्रामीण शिल्प उद्यमी ही पूरा कर देते थे. इस कारण ग्रामीण भारत आत्मनिर्भर था. ग्रामीण पलायन नहीं के बराबर था. खेती के साथ शिल्पकारों का आर्थिक और सांस्कृतिक जुड़ाव था. यह केवल हमारी ग्रामीण अर्थव्यवस्था को ही मजबूत नहीं कर रहा था, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था में भी बड़ा योगदान दे रहा था. दिल्ली सल्तनत काल से पहले विश्व व्यापार में भारत का योगदान 50 प्रतिशत से भी ज्यादा था. बाद में यह घटता गया. अब यह सिमट कर एक प्रतिशत से भी कम रह गया है.

मोटे तौर पर हस्तशिल्प का अर्थ कारीगर से लगाया जाता है- कारीगर यानी हाथ के कौशल का उपयोग कर वस्तुओं का उत्पादन करनेवाले. भारत में महाराजा दक्ष प्रजापति के समय इस वर्ग का संगठित रूप समाज में उभरकर आया. यही नहीं, विश्वकर्मा को तकनीक के देवता के रूप में मान्यता मिली. भारत की भव्य सांस्कृतिक विरासत और परंपरा की झलक देशभर में निर्मित हस्तशिल्प वस्तुओं में दिखायी पड़ती है. युगों से भारत के हस्तशिल्प ने अपनी विलक्षणता कायम रखी है. प्राचीन समय में इन हस्तशिल्पों को 'सिल्क रूट' के जरिये यूरोप, अफ्रीका, पश्चिम एशिया और दूरवर्ती पूर्व के देशों को निर्यात किया जाता था. इन शिल्पों में भारतीय संस्कृति का जादुई आकर्षण है.सबसे विशिष्ट बात यह है कि भारतीय समाज की जातीय संरचना का आधार अन्य सभ्यताओं की तरह रेस (नस्ल) नहीं, अपितु कारीगरी है- लोहे का काम करने वाला लुहार, लकड़ी का काम करने वाला बढ़ई आदि. पूरे भारत में इस प्रकार की तमाम जातियों को जोड़ दिया जाए, तो वह 15 प्रतिशत से भी ऊपर चला जाता है. एक अनुमान के अनुसार, देश में 1.3 करोड़ लोग हस्त कारीगरी से अपनी रोजी कमाते हैं. अन्य शिल्पकारों की संख्या भी लगभग 60 लाख के करीब है. नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लाइड इकॉनोमी रिसर्च द्वारा करवाये गये सर्वेक्षण के अनुसार, 1997-98 में 10.411 करोड़ रुपये का हस्तशिल्प उत्पादन किया गया.वर्ष 2006-07 में यह 47 हजार करोड़ पहुंच गया, जिसका बड़े पैमाने पर निर्यात भी हुआ. फिलहाल देश में 14.5 लाख हस्तशिल्प इकाइयां हैं, जिनमें दो करोड़ के करीब प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से रोजगार प्राप्त कर रहे हैं. भारत की पूरी कृषि प्रणाली ग्रामीण हस्त कारीगरों पर ही आधारित है. आज भी बड़े पैमाने पर कृषि यंत्रों का निर्माण ग्रामीण कारीगरों द्वारा किया जाता है. इस क्षेत्र में खेती की तरह ही रोजगार की अपार संभावनाएं हैं. कोविड में जिस प्रकार शहरी क्षेत्र में रोजगार सिमट गया है, यदि सरकार इस दिशा में सोचे, तो शहरी रोजगार का यह एक व्यापक और टिकाऊ विकल्प हो सकता है।

अब राजनैतिक दल भी हुए विदेशी व घुसपैठिये

राजनैतिक दल एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप तो हमेशा से ही करते रहे हैं। परन्तु बदलती दुनिया में अब यह देखा जा रहा है कि राजनैतिक दलों के नेता अपनी व अपनी पार्टी की विशेषताएं व उपलब्धियां गिनाने के बजाय अपने विरोधी या विपक्षी दलों व उनके नेताओं को नीचे दिखाने उन्हें अपमानित करने तथा लांछन लगाने पर ज्यादा विश्वास करने लगे हैं। यहां तक कि सत्ता की लड़ाई ने व्यक्तिगत रंजिश जैसा माहौल पैदा कर दिया है। यह रवैया अब इतना आगे बढ़ चुका है कि अब विपक्षी दलों को यदि दुश्मन देशों का समर्थक तक कहना पड़े तो भी कोई हर्ज नहीं। राजनैतिक दलों में बढ़ती इस इस तरह की प्रवृति का कारण एक ही है कि जब ये जनता से किये गए अपने वादों पर खरे नहीं उतरते और इन्हें अपनी सत्ता खोने का भय सताता है उस समय यह अपने विरोधी दलों को बदनाम करने के लिए उसके विरुद्ध तरह-तरह के षड़यंत्र अपनाते हैं ताकि जनता किसी विकल्प को चुनने के बजाय इन्हीं वादाख़िलाफी करने वाले लोगों के हाथों में पुनरू सत्ता सौंप दे और जनता इन्हें आईना दिखाने व इनकी नाकामी पर सवाल उठाने के बजाय वैकल्पिक राजनैतिक दलों पर लगातार हो रहे हमले व उनपर लगने वाले कथित श्षड़यंत्रकारीश् आरोपों से घबरा कर उनके पक्ष में फैसला करने की कोशिश न करे। देश को अक्टूबर-नवंबर 2015 में हुआ बिहार विधानसभा का वह चुनाव याद होगा जिसमें सुपौल जिले में एक रैली को संबोधित करते हुए भाजपा अध्यक्ष अमित शाह ने फ़रमाया था कि यदि-श्बिहार में भारतीय जनता पार्टी हारी तो पाकिस्तान में पटाखे फूटेंगेश। इस बात का साफ अर्थ है कि अमित शाह के अनुसार, भाजपा के मुकाबले में लड़ने वाला महागठबंधन जिसमें जेडीयू, आरजेडी, कांग्रेस व वामपंथी दलों के अलावा कई छोटे दल शामिल थे क्या वे सभी पाकिस्तान परस्त थे? बिहार के जागरूक मतदाताओं ने इसका अर्थ यही निकाला कि क्या बिहार का जो भी भारतीय नागरिक भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में मतदान नहीं करेगा वह पाकिस्तानी कहा जाएगा? खैर, जनता ने इसका जवाब दिया भाजपा पराजित हुई परन्तु जोड़-तोड़ कर अपनी सत्ता बनाने में महारत रखने वाली इसी भाजपा ने बाद में महागठबंधन में दरार का लाभ उठा कर आरजेडी व जेडीयू में फासला पैदा किया फिर जेडीयू को समर्थन देकर उन्हीं श्पाकिस्तानियोंश् के साथ मिलकर अपनी सरकार भी बना ली? एक बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं नीतीश कुमार के डी एन ए पर भी सवाल खड़ा कर चुके हैं। अब इसी तरह की भाषा का इस्तेमाल राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रवक्ता रहे व भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री राम माधव द्वारा आसाम में किया गया है। गौरतलब है कि मार्च-अप्रैल 2021 में आसाम विधान सभा के चुनाव होने की संभावना है। भाजपा ने अभी से चुनावी माहौल बनाना शुरू कर दिया है। राज्य में भाजपा का मुख्य मुकाबला कांग्रेस तथा आल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट व कुछ अन्य क्षेत्रीय दलों से होता है। प्रकाशित समाचारों के अनुसार पिछले दिनों राज्य भाजपा की पार्टी कार्यकारिणी की गोहाटी में आयोजित बैठक में अपने संबोधन में यह फ़रमाया कि विपक्षी दल कांग्रेस व यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट विदेशी व घुसपैठियों की पार्टियां हैं।

बैठक में पार्टी ने 100 दिन के अपने चुनाव प्रचार की कार्ययोजना पर विमर्श किया। विपक्षी दलों पर अभी से किये जाने वाले इस प्रकार के हमले से इस बात का अंदाजा लगाया जा सकता है की आसाम में होने विधान सभा चुनाव प्रचार के दौरान वातावरण में किस तरह की कड़वाहट घुलने वाली है। कांग्रेस पार्टी जिसने स्वतंत्रता संग्राम में अग्रणी भूमिका निभाई तथा महात्मा गांधी व सरदार पटेल व पंडित नेहरू जैसे नेता जिस पार्टी के सदस्य रहे हों वह पार्टी विदेशी पार्टी हो गई? केरल से आसाम तक जिस यूडीएफ के दर्जनों विधायक चुनाव जीत कर भारतीय संविधान की शपथ लेते रहे हों वह पार्टी आखिर घुसपैठियों की पार्टी कैसे हो गई? आखिर इनके द्वारा क्यों कांग्रेस जैसी श्विदेशी पार्टीश् के नेता सरदार पटेल की ही विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा नर्मदा नदी के किनारे लगाई गई?स्वयं को विचारक व बुद्धिजीवी समझने व राष्ट्रवाद के स्वयंभू ठेकेदार बनने वाले लोग जब आजादी में स्वयं के संगठन की भूमिका पर पूछे गए सवालों के जवाब देने में बगलें झांकने लगते हैं तब इन्हें दूसरों को लांछित करने के अलावा दूसरा कोई उपाय नजर नहीं आता। आसाम में ही एन आर सी लागू करने में बुरी तरह फेल रहने के बाद पार्टी अब शर्मिन्दगी से उबरने के लिए आसाम के मतदाताओं को यह समझाने की कोशिश कर रही है कि विपक्षी दल विदेशी व घुसपैठिया हैं और अकेले हम ही देश भक्त व राष्ट्र हितैषी हैं।

सार समाचार .....

20 बार के ग्रैंड स्लैम चैम्पियन फेडरर ने कमर्शियल के लिए रॉक बैंड बीटल्स का गाना गया

नई दिल्ली **एजेंसी।**

20 बार के ग्रैंड स्लैम चैम्पियन रोजर फेडरर ने एक कमर्शियल के लिए रॉक बैंड बीटल्स का क्लासिक गाना विद ए लिटिल हेल्प फ्रॉम माई फ्रेंड्स गाया। उन्होंने यह गाना ज्यूरिख स्थित स्विस टेलीकॉम कंपनी के लिए रिकॉर्ड किया। यह उनके करियर का दूसरा साल है, जब वो कई ग्रैंड स्लैम खिताब नहीं जीतेंगे। पिछले साल भी फेडरर कोई ग्रैंड स्लैम नहीं जीत पाए थे। उन्होंने मियामी मास्टर्स के अलावा दुबई ओपन जीता था।

फेडरर ने तीन साल पहले भी गाना रिकॉर्ड किया था

यह पहला मौका नहीं है, जब स्विटजरलैंड के इस टेनिस खिलाड़ी ने कोई गाना रिकॉर्ड किया है। इससे पहले, 39 साल के फेडरर ने 2017 में ग्रिगोर दिमित्रोव और टॉमी हास के साथ इंडियन वेल्स टूर्नामेंट के दौरान बैकहैंड बॉएज ग्रुप का एक गाना गाया था। तीनों खिलाड़ियों ने 1982 के हिट एल्बम शिकागो का गाना हार्ड टू से आय एम सॉरी गाया था। इस दौरान हास के ससुर और म्यूजिशियन डेविड फोस्टर प्यानो पर थे।

फेडरर ने इस साल यूएस ओपन नहीं खेला

इस साल ऑस्ट्रेलियन ओपन के बाद से ही फेडरर टेनिस कोर्ट से दूर हैं। वे घुटने की चोट से उबर रहे हैं। फेडरर ने कहा कि वे 2021 में टेनिस कोर्ट में वापसी करेंगे और इस तरह का यह उनके करियर का दूसरा साल होगा, जब वह एक भी खिताब नहीं जीतेंगे।

फेडरर ने 20 ग्रैंड स्लैम जीते हैं

फेडरर ने सबसे ज्यादा 20 ग्रैंड स्लैम जीते हैं। उन्होंने 8 विंबलडन, 6 ऑस्ट्रेलियन ओपन, 5 यूएस ओपन और एक बार फ्रेंच ओपन जीता है।

ओलिंपिक सिल्वर मेडलिस्ट पीवी सिंधु ने टूर्नामेंट से नाम वापस लिया

बेंगलुरू एजेंसी। भारतीय शटलर और ओलिंपिक में सिल्वर मेडलिस्ट पीवी सिंधु ने डेनमार्क ओपन से नाम वापस ले लिया है। हालांकि, कोरोना के कारण यह टूर्नामेंट अनिश्चितकाल के लिए टल चुका है। पहले यह टूर्नामेंट 13 से 18 अक्टूबर तक ओडेंस में होने वाला था। बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया (बाई) ने इस टूर्नामेंट में खेलने के लिए खिलाड़ियों की राय मांगी है। इसी दौरान सिंधु ने टूर्नामेंट में नहीं खेलने की बात कही। हालांकि वह नवंबर में होने वाले एशिया ओपन- ढ्ढ और एशिया ओपन- II में खेल सकती हैं।

साइना समेत दूसरे भारतीय खिलाड़ी डेनमार्क ओपन खेलेंगे

बाई ने डेनमार्क ओपन के लिए खिलाड़ियों को इंट्री फॉर्म भेजकर सहमति मांगी थी। इसमें उन्हें यह लिखकर देना था कि कोरोना के बीच वह टूर्नामेंट के लिए यात्रा करने के लिए तैयार है। एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि किदांबी श्रीकांत, लक्ष्य सेन, साइना नेहवाल, पारुपल्ली कश्यप और सुभंकर डे ने अपनी सहमति भेज दी है। जबकि सिंधु ने अपनी सहमति नहीं दी है।

सिंधु ने थॉमस कप से भी नाम वापस ले लिया था, लेकिन बाद में राजी हो गईं

2021 तक के लिए टल चुके थॉमस और उबेर कप से भी सिंधु ने अपना नाम वापस ले लिया था। लेकिन बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया(बाई) के अध्यक्ष हेमंत बिस्वा के अनुरोध पर खेलने के लिए तैयार हो गई थी।पहले यह टूर्नामेंट 3 से 12 अक्टूबर तक होना था। इंडोनेशिया समेत कोरिया, थाईलैंड, ऑस्ट्रेलिया, ताईवान, सिंगापुर और हांगकांग जैसे बड़े देश भी टूर्नामेंट से हट चुके हैं।'

बॉल चमकाने के लिए लार का इस्तेमाल नहीं हो सकेगा

कोरोना के बीच इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 19 सितंबर से 10 नवंबर तक यूएई में होना है। यह टूर्नामेंट पहली बार बिना दर्शकों के बायो-सिक्योर माहौल में खेला जाएगा। कोरोना की वजह से एक बड़ा बदलाव यह है कि बॉल को चमकाने के लिए बॉलर्स लार का इस्तेमाल नहीं कर सकेंगे। हालांकि, इस एक नियम का दो वजहों से ज्यादा असर नहीं पड़ेगा...

एजेंसी।

1. व्हाइट बॉल दो ओवर तक ही स्विंग करती है

अगर बॉल पर लार नहीं लगाते हैं तो बॉलर्स को स्विंग कराने में दिक्कत होती है। हालांकि, टी-20 जैसे फॉर्मेट में यह चुनौती नहीं है। चेन्नई सुपरकिंग्स के तेज गेंदबाज दीपक चाहर भी यही बताते हैं। उन्होंने हाल ही में कहा था कि व्हाइट बॉल सिर्फ 2 ओवर तक स्विंग होती है। अच्छा विकेट हो तो 3 ओवर तक स्विंग होगी। इस वजह से बॉल की चमक बनाए रखने की ज्यादा जरूरत नहीं है। हैदराबाद के बॉलर भुवनेश्वर कुमार भी कहते हैं कि लार का इस्तेमाल नहीं होने से सिर्फ रिवर्स स्विंग में दिक्कत आएगी।

2. यूएई का स्लो विकेट

यूएई में अबु धाबी, दुबई और शारजाह में आईपीएल के मैच होंगे। यहां स्लो विकेट है। यानी स्पिनर्स के लिए ये फायदेमंद है और स्विंग कराने वाले तेज गेंदबाजों को यहां ज्यादा मदद नहीं मिलने वाली। इस वजह से बॉल पर लार नहीं लगा पाने के नियम का असर नहीं पड़ेगा। 2014 में जब यूएई में आईपीएल के 20 मैच हुए थे, तो सिर्फ एक मैच में दोनों इनिंग में 200+ का स्कोर बना था, जबकि 12 बार 160+ का स्कोर रहा था। पहली बार आईपीएल में थर्ड अंपायर नो बॉल का रूल लाया जा रहा है। अब मैच में बॉलर के पैर की नो बॉल फील्ड अंपायर की जगह थर्ड अंपायर देखेगा। पिछले साल भारत-वेस्टइंडीज वनडे सीरीज में भी इसका ट्रायल हुआ था।

अनलिमिटेड कोरोना सब्स्टीट्यूट

आईपीएल गवर्निंग कार्उंसिल ने इस सीजन में अनलिमिटेड कोरोना सब्स्टीट्यूट की भी मंजूरी दी। यानी टूर्नामेंट में कोई खिलाड़ी कोरोना पॉजिटिव निकलता है, तो टीम उसकी जगह दूसरा खिलाड़ी टीम में शामिल कर सकेंगी। नियम के मुताबिक, बैट्समैन को बैट्समैन और बॉलर को सिर्फ बॉलर ही रिप्लेस कर सकता है।

कन्कशन सब्स्टीट्यूट नियम भी लागू

इस आईपीएल सीजन में पहली बार कन्कशन सब्स्टीट्यूट नियम भी लागू रहेगा। यानी कोई खिलाड़ी गंभीर चोटिल होता है या सिर में बॉल लगती है, तो उसकी जगह दूसरे प्लेयर को टीम में सब्स्टीट्यूट के तौर पर शामिल किया जा सकता है। इस नियम में भी बैट्समैन को बैट्समैन और बॉलर को सिर्फ बॉलर ही रिप्लेस कर सकता है। यह नियम सबसे पहले 2018 एशेज सीरीज में लागू हुआ था।

चीयरलीडर्स और फैंस स्टेडियम में नहीं होंगे

आईपीएल के इतिहास में पहली बार कोरोना के कारण खाली स्टेडियम में मैच खेले जाएंगे। स्टेडियम में फैंस और जश्न मानने के लिए चीयरलीडर्स भी नहीं होंगी। हालांकि, फ्रेंचाइजियों ने मेगा स्क्रीन पर चीयरलीडर्स और फैंस के रिकॉर्डेड वीडियो चलाने की तैयारी की है।

बायो-सिक्योर माहौल क्या है?

ये एक ऐसा एन्वायर्नमेंट है, जिसमें रहने वाला बाहरी दुनिया से पूरी तरह कट जाता है। यानी, आईपीएल में हिस्सा ले रहे प्लेयर, सपोर्ट स्टाफ, मैच ऑफिशियल, होटल स्टाफ और कोरोना टेस्ट करने वाली मेडिकल टीम तक को तय दायरे के आगे जाने की अनुमति नहीं है। किसी बाहरी व्यक्ति से भी नहीं मिल सकते।

आईपीएल में बायो-सिक्योर माहौल तोड़ने पर सजा

बायो-सिक्योर नियम तोड़ने वाले को आईपीएल कोड ऑफ कंडक्ट के तहत सजा दी जाएगी। खिलाड़ी को कुछ मैच खेलने से रोका भी जा सकता है। आरसीबी समेत कुछ टीमों ने पहले से चेतावनी दे रखी है कि यदि किसी खिलाड़ी ने नियम तोड़ा तो उसके साथ कॉन्ट्रैक्ट तोड़ा जा सकता है।

खिलाड़ी मैच में बॉल पर लार का इस्तेमाल नहीं कर सकेंगे

आईसीसी ने कोरोना के कारण क्रिकेट में बॉल को चमकाने के लिए लार के इस्तेमाल पर बैन लगा दिया है। यह नियम पहली बार आईपीएल में लागू होगा। हर टीम को दो बार चेतावनी दी जाएगी। तीसरी बार में पेनाल्टी के तौर पर विपक्षी टीम के खाते में 5 रन जोड़ दिए जाएंगे। कोरोना के कारण टॉस के बाद दोनों टीमों के कप्तान हाथ नहीं मिला सकेंगे।

यूएई की स्लो पिच पर कोहली.डिविलियर्स नहीं

नई दिल्ली | एजेंसी।

विराट कोहली की कप्तानी वाली रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु आरसीबी अब तक आईपीएल खिताब नहीं जीत सकी है। इसको लेकर भारतीय लीजेंड सुनील गावस्कर ने भी हैरानी जताई है। उन्होंने कहा कि इस बार यूएई में कोहली और एबी डिविलियर्स नहीं बल्कि स्पिनर युजवेंद्र चहल आरसीबी के लिए मैच विनर साबित होंगे। आईपीएल इस बार कोरोना के कारण यूएई में शुरू हो रहा है। टूर्नामेंट का आगाज 19 सितंबर से होगा। आरसीबी का पहला मैच 21 सितंबर को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ होना है। आरसीबी का खिताब नहीं जीत पाना एक पहले है गावस्कर ने स्पोर्ट्स स्टार के लिए कॉलम में लिखाए आरसीबी जैसी टीम अब तक खिताब नहीं जीत सकीए यह मेरे लिए पहले बना हुआ है। जिस भी टीम में विराट कोहली और एबी डिविलियर्स खेल रहे होंए उसके लिए रनों का ढेर लगाना बड़ी बात नहीं है। हालांकिए यह एक बड़ी समस्या भी है कि जब ऐसे दो दिग्गज फेल हो जाते हैए तो कोई बल्लेबाज आगे नहीं आता। यह दोनों भी इंसान हैं और हर बार सफल होंए जरूरी नहीं। टीम को इस बार खिताब जीतने की पूरी उम्मीद है। स्लो पिच पर स्पिनर्स को संभलकर खेलना होगा उन्होंने कहाए यूएई में पिच काफी स्लो रहने वाली है। ऐसे में दोनों चैम्पियन कोहली और डिविलियर्स का ऊपर बल्लेबाजी करने आना बेहतरीन आइडिया हो सकता है।

आईपीएल शुरू होने से एक दिन पहले यूएई पहुंचे इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के 21 खिलाड़ी, 6 दिन की बजाय 36 घंटे ही क्वारैंटाइन रहेंगे

नई दिल्ली , एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग(आईपीएल) फ्रेंचाइजियों के लिए राहत भरी खबर है। लीग में हिस्सा लेने वाले इंग्लैंड-ऑस्ट्रेलिया के 21 खिलाड़ी गुरुवार देर शाम ब्रिटेन से चार्टर्ड फ्लाइट के जरिए यूएई पहुंचे। इन्हें सिर्फ 36 घंटे के लिए क्वारैंटाइन होना रहेगा। ऐसे में यह सभी खिलाड़ी पहले मैच से ही उपलब्ध रहेंगे। दोनों टीमों के बीच तीन वनडे की सीरीज बुधवार को खत्म हुई थी। पहले इन खिलाड़ियों को 6 दिन के लिए क्वारैंटाइन में रहना था। इस दौरान पहले, तीसरे और छठे दिन सभी का कोरोना टेस्ट होना था। सभी रिपोर्ट निगेटिव आने पर ही 7वें दिन प्लेयर्स को बायो-सिक्योर माहौल में एंट्री मिलनी थी। लेकिन अब एक टेस्ट की रिपोर्ट निगेटिव आने के बाद ही यह सभी खिलाड़ी अपनी-अपनी टीमों के बायो सिक्योर बबल में एंट्री करेंगे।

पैट कमिंस, मोर्गन और वॉर्नर यूएई पहुंचे

कोलकाता नाइट राइडर्स के तीन खिलाड़ी इयोन मोर्गन, टॉम बेंटन और पैट कमिंस टेस्ट के बाद अबु धाबी जाएंगे। क्योंकि केकेआर और मुंबई ने इसी शहर को अपना बेस बनाया है। बाकी 6 टीमों का बेस दुबई में है।

फ्रेंचाइजियों ने बीसीसीआई से क्वारैंटाइन में ढील देने की अपील की थी

इससे पहले, फ्रेंचाइजियों ने ब्रिटेन से आने वाले खिलाड़ियों को क्वारैंटाइन में राहत देने की अपील की थी। आईपीएल के एक सीनियर ऑफिशियल ने कहा कि क्वारैंटाइन का मसला सुलझा लिया गया है। अधिकतर टीमों के सभी बड़े खिलाड़ी पहले मैच से उपलब्ध रहेंगे। क्योंकि यह सभी खिलाड़ी बायो सिक्योर बबल से ही यहां आए हैं।

राजस्थान टीम की परेशानी कम हुई

विदेशी खिलाड़ियों को क्वारैंटाइन में छूट मिलने के बाद राजस्थान रॉयल्स टीम की परेशानी काफी हद तक कम हो गई है। टीम के कप्तान समेत तीन बड़े खिलाड़ी इंग्लैंड-ऑस्ट्रेलिया से ही हैं। राजस्थान के कप्तान ऑस्ट्रेलियाई स्टीव स्मिथ हैं। इनके अलावा इंग्लैंड के विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर और तेज गेंदबाज जोफा आर्चर भी टीम के सदस्य हैं। आईपीएल के इस सीजन में इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के 21 खिलाड़ी खेलेंगे।

भारत के लिए खेलने का सपना है, जिसे हर हाल में पूरा करना चाहता हूं

नई दिल्ली , एजेंसी।

विमल कुमार. राजस्थान के तेज गेंदबाज कमलेश नागरकोटी की कहानी किसी परीकथा से कम नहीं है। बाड़मेर जैसे छोटे से शहर से आने वाले नागरकोटी ने 2018 के अंडर-19 वर्ल्ड कप में तहलका मचाया। 20 साल के नागरकोटी ने वर्ल्ड कप में 145 किमी/घंटे से भी ज्यादा तेजी से गेंदबाजी की थी। वेस्टइंडीज के महान तेज गेंदबाज इयान बिशप तक उनके फैन हो गए थे। कोलकाता नाइट राइडर्स ने 2018 में उन्हें 3.2 करोड़ की राशि खर्च कर अपनी टीम में शामिल किया। लेकिन चोट के कारण वे 2018 के आईपीएल में नहीं खेले। इसके बावजूद केकेआर ने उन्हें रिटेन किया। 2019 सीजन के पहले भी वे बैक इंजरी के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए थे। लेकिन इस बार वो अपनी टीम की एक बड़ी उम्मीद हैं। उनसे इंटरव्यू के प्रमुख अंश...

20 साल के कमलेश नागरकोटी को 2018 में केकेआर ने 3.2 करोड़ रुपए में खरीदा था हर कोई आपके पेस की चर्चा कर रहा है। क्या इससे दबाव बनता है? कमलेश- बनता भी है और नहीं भी। बहुत ज्यादा ऐसी बातों पर ध्यान देकर भटकना नहीं चाहिए। मैंने स्पीड को लेकर कोई खास मेहनत नहीं की है। लेकिन गेंदबाजी करते समय आपको मानसिक तौर पर हमेशा सजग रहना पड़ता है कि आप कैसे गेंद डाल रहे हैं।

आपके कप्तान दिनेश कार्तिक का मानना है कि आपकी फील्डिंग एकदम रवींद्र जडेजा के स्तर की है ? कमलेश- कार्तिक का ऐसा कहने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। भारत के सर्वोत्तम फील्डर से तुलना किसे अच्छी नहीं लगेगी। मैंने फील्डिंग पर काफी मेहनत की है। फील्डिंग में तो जोंटी रोड्स से बड़ा हीरो कौन होगा। हर कोई उन्हीं की तरह बेहतरीन फील्डर बनना चाहता है, लेकिन ये मुमकिन नहीं। आपके हीरो कौन-कौन रहे हैं? कमलेश- देखिए, गेंदबाजी में तो मैं भुवनेश्वर कुमार और मोहम्मद शमी का फैन हूं। दोनों गेंदबाज अपनी प्रतिभा से आपको काफी प्रभावित करते हैं। भुवी भाई जहां गेंद को दोनों तरफ से स्विंग कराने की काबिलियत रखते हैं तो शमी भाई का सीम पर शानदार नियंत्रण है।

20 साल के स्वीडिश खिलाड़ी अर्मांड ने यूक्रेन के बुबका का 26 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा

अर्मांड के नाम पहले से ही इंडोर इवेंट का वर्ल्ड रिकॉर्ड है। उन्होंने इसी साल फरवरी में ग्लास्गो में 6.18 मीटर(20 और 3 1/4 इंच) ऊंची छलांग लगाई थी। इस कामयाबी से डूप्लेंटिस बहुत खुश हैं। उन्होंने कहा कि मुझे अभी भी इस बात पर यकीन नहीं हो रहा है कि मैंने वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ा। वाकई यह कभी न भूलने वाला अनुभव है। मैं भले ही मैट पर गिरा।

दिल्ली | एजेंसी।

स्वीडन के अर्मांड डूप्लेंटिस ने पोल वॉल्ट के आउटडोर इवेंट में यूक्रेन के सर्जेई बुबका का 26 साल पुराना वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ दिया। उन्होंने रोम में हुई डायमंड लीग में दूसरे अटेम्प्ट में 6.15 मीटर (20 फीट और 2 इंच) ऊंची छलांग लगाई। बुबका ने 1994 में इटली में 6.14 मीटर ऊंची छलांग लगाकर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया था। बुबका ने अपने करियर में कुल 35 वर्ल्ड रिकॉर्ड (18 आउटडोर और 17 इंडोर) तोड़े थे।

अर्मांड के नाम पहले से ही इंडोर इवेंट का वर्ल्ड रिकॉर्ड है। उन्होंने इसी साल फरवरी में ग्लासो में 6.18 मीटर(20 और 3 1/4 इंच) ऊंची छलांग लगाई थी। इस कामयाबी से डूप्लेंटिस बहुत खुश हैं। उन्होंने कहा कि मुझे अभी भी इस बात पर यकीन नहीं हो रहा है कि मैंने वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ा। वाकई यह कभी न भूलने वाला अनुभव है। मैं भले ही मैट पर गिरा। लेकिन मैं खुद को अभी भी आसमान में ही महसूस कर रहा हूं।

मैं आउटडोर इवेंट में भी अपनी काबिलियत साबित करना चाहता था- अर्मांड

उन्होंने आगे कहा कि मैंने इंडोर इवेंट में तो वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया था। लेकिन मैं आउटडोर में खुद को दुनिया का बेस्ट पोल वॉल्टर साबित करना चाहता था और रोम मेरे लिए लकी साबित हुआ।

रोम के ऐतिहासिक स्टेडियम में यह रिकॉर्ड बनाना यादगार

डूप्लेंटिस ने आगे कहा कि इससे पहले मैंने रोम के ओलिंपिक स्टेडियम में कभी जंप नहीं किया था। यह बहुत ऐतिहासिक स्टेडियम है। पहले भी यहां कई खिलाड़ियों ने यादगार प्रदर्शन किए हैं। इसी वजह से मैं यहां आया था। मुझे यकीन था कि अगर मौसम ठीक रहा और हवा बहुत तेज नहीं हुई तो मैं ऊंची छलांग लगा सकता हूं।

डूप्लेंटिस ने पिछले साल वर्ल्ड चैम्पियनशिप में सिल्वर जीता डूप्लेंटिस ने पिछले साल वर्ल्ड चैम्पियनशिप में सिल्वर मेडल जीता था। वे बहुत कम उम्र में ही सीनियर चैम्पियनशिप में हिस्सा ले रहे हैं। अब उनका लक्ष्य वर्ल्ड चैम्पियनशिप और ओलिंपिक का गोल्ड जीतना है। वे अगले हफ्ते दोहा डायमंड लीग में हिस्सा लेंगे।

बुबका 6 मीटर से ऊंची छलांग लगाने वाले पहले पोल वॉल्टर यूक्रेन के बुबका पोल्ट वॉल्ट के चैंपियन रहे हैं। उन्होंने 1988 में ओलिंपिक गोल्ड मेडल जीता था। इसके अलावा वे 6 बार वर्ल्ड चैम्पियनशिप में गोल्ड जीत चुके हैं। वे 6 मीटर से ज्यादा ऊंची छलांग लगाने वाले पहले पोल वॉल्टर थे।

यूएई में मुंबई को पहली जीत की तलाश यहां खेले सभी पांच मैच हारी है

नई दिल्ली | एजेंसी।

आईपीएल का 13वां सीजन शनिवार से शुरू होने जा रहा है। 4 बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस को जीत का दावेदार माना जा रहा है, लेकिन यूएई में उसके रिकॉर्ड इसके उलट हैं। 2014 में भी लीग के शुरुआती 20 मुकाबले यूएई में ही खेले गए थे। मुंबई को सभी 5 मैच में हार मिली थी जबकि किंग्स इलेवन पंजाब ने सभी 5 मैच में जीत दर्ज की थी। पंजाब अपराजेय रहने वाली एकमात्र टीम थी।

टीमों की मजबूती और कमजोरी

चेन्नई को रैना-भज्जी की कमी खलेगी, राजस्थान टीम विदेशियों पर निर्भर 1. चेन्नई सुपरकिंग्स- रैना और हरभजन का हटना बड़ा झटका। धोनी, प्लेसिस, रायडू पर बल्लेबाजी निर्भर। ब्रावो और जडेजा मजबूत कड़ी। दीपक चाहर के अलावा अन्य तेज गेंदबाज

परेशानी का सबब।

2. मुंबई इंडियंस- रोहित, डी कॉक, पोलार्ड पर बैटिंग की जिम्मेदारी। बुमराह और बोल्ट तेज गेंदबाजी की बागडोर संभालेंगे। मलिंगा के हटने से डेथ ओवर में असर पड़ेगा। राहुल चाहर के अलावा अच्छे स्पिनर की कमी।

3. कोलकाता नाइटराइडर्स- बतौर विदेशी नरेन, रसेल, कमिंस का खेलना पक्का। शुभमन, कार्तिक और नीतीश पर बल्लेबाजी का दारोमदार। तेज गेंदबाज नागरकोटी और मावी का प्रदर्शन ही टर्निंग पॉइंट।. 4. राजस्थान रॉयल्स- टीम विदेशी खिलाड़ियों पर अधिक निर्भर। संजू सैमसन और रॉबिन उथप्पा को छोड़कर कोई अनुभवी भारतीय बल्लेबाज नहीं। आर्चर को छोड़कर अच्छे तेज गेंदबाज की कमी। 5. रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू? कोहली, डिविलियर्स, फिंच पर बल्लेबाजी निर्भर। स्पिनर्स के तौर पर चहल, जंपा और सुंदर की तिकड़ी। भारतीय तेज गेंदबाज सिराज, नवदीप सैनी और उमेश यादव का प्रदर्शन खास नहीं। 6. किंग्स इलेवन पंजाब- मुजीब, मुरूगन अश्विन, बिश्नोई जैसे अच्छे स्पिनर। राहुल के पास कप्तानी का अनुभव नहीं। गेल, मैक्सवेल पर बल्लेबाजी निर्भर। बतौर तेज गेंदबाज शमी, कॉट्रेल और जॉर्डन। 7. सनराइजर्स हैदराबाद- ओपनर वॉर्नर, बेयरस्टो पर निर्भर। मनीष पांडे के अलावा मिडिल ऑर्डर में कोई अनुभवी भारतीय नहीं। बतौर स्पिनर राशिद, नबी, नदीम। भुवी, सिद्धार्थ पिछले सीजन में अच्छा नहीं कर सके थे।

8. दिल्ली कैपिटल्स- श्रेयस, पृथ्वी शॉ, धवन, और हेटमायर जैसे बल्लेबाज। बतौर ऑलराउंडर स्टोइनिस, अक्षर। अश्विन, अमित मिश्रा, संदीप लमिछाने स्पिन विभाग देखेंगे। भारतीय तेज गेंदबाजी कमजोर कड़ी।

स्पिनर सबसे अहम, पिछले 3 सीजन में इनकी इकोनॉमी सबसे बेहतर रही

तीन सीजन को देखें तो स्पिनरों की इकोनॉमी सबसे अच्छी रही। 2019 में 10 से अधिक मैच खेलने वाले खिलाड़ियों की 5 बेस्ट इकोनॉमी में चार स्पिनर रहे। लेग स्पिनर राशिद खान ने 6.28, बाएं हाथ के स्पिनर रवींद्र जडेजा ने 6.35, लेग स्पिनर राहुल चाहर ने 6.55, तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने 6.63, लेग स्पिनर इमरान ताहिर ने 6.69 की इकोनॉमी से रन दिए।

बाय चांस ऐक्टिंग में आई हिना खान बनना चाहती थीं एयर होस्टेस

हिना खान अपना मंडे मूड बता रही हैं। हिना का स्वैग और बिंदास अंदाज फैन्स के दिलों को छू गया है। हिना खान ने अपने करियर की शुरुआत ये रिश्ता क्या कहलाता है टीवी शो से की थी। इस शो में अक्षरा बहू के किरदार को निभाकर वह घर.घर मशहूर हो गई थीं। पर क्या आप जानते हैं कि हिना कभी भी ऐक्ट्रेस नहीं बनना चाहती थींघ् ये रिश्ता क्या कहलाता है में हिना की एंट्री बाय चांस हुई थी। बताया जाता है कि वह अपने कुछ दोस्तों के साथ उस टीवी शो के ऑडिशन पर गई थीं। ऑडिशन उनके दोस्तों में से किसी को देना था। लेकिन अगले ही दिन उन्हें शो के मेकर्स की तरफ से कॉल आया और इस तरह हिना को अक्षरा का किरदार मिल गया। बताया जाता है कि हिना खान एयर होस्टेस बनना चाहती थीं। इसके लिए उन्होंने एयर.होस्टेस के एक कोर्स में ऐडमिशन भी ले लिया था लेकिन बीमार पडने के कारण वह कोर्स जॉइन नहीं कर सकीं। इस तरह हिना का आसमान की उड़ान भरने का सपना अधूरा ही रह गया। हिना खान टीवी की सबसे ज्यादा पढ़ी.लिखी हिरोइनों में शुमार हैं। उन्होंने एमबीए किया है।

प्रियदर्शन की फिल्म को प्रोड्यूस करेंगे अक्षय

बॉलीवुड के खिलाड़ी कुमार अक्षय कुमार निर्देशक प्रियदर्शन की फिल्म को प्रोड्यूस करने जा रहे हैं। अक्षय कुमार और निर्देशक प्रियदर्शन की जोड़ी ने हेरा.फेरी्य गरम मसाल्य भूल भूलैय् और दे दनादन्य जैसी कई कॉमडी फिल्मों में साथ काम किया है। बताया जा रहा है कि अक्षय कुमार ने प्रियदर्शन की नई कॉमेडी फिल्म के लिए हामी भर दी है। हालांकि इस फिल्म में अक्षय एक्टिंग करते नजर नहीं आएंगेए बल्कि वह इस फिल्म को प्रोड्यूस करेंगे। प्रियदर्शन ने बताया अक्षय और मैं नई फिल्म में साथ काम करने वाले हैंए जिसकी शूटिंग इस साल के दिसंबर महीने से शुरू होनी थी। लेकिन कोरोना वायरस के चलते अब फिल्म का शेड्यूल अगले साल जुलाई और अगस्त तक के लिए टाल दिया गया है। बॉलीवुड में मेरा अनुभव थोड़ा खट्टा रहा है। मैं किसी के सामने भीख नहीं मांगना चाहता कि वो मेरे साथ काम करें। मैं उनके साथ काम करना चाहता हूं जो मेरे साथ काम करना चाहते हैं। प्रियदर्शन इन दिनों सुपरहिट कॉमेडी फिल्म हंगाम्य के सीच्वल पर काम कर रहे हैं। फिल्म में परेश रावल शिल्पा शेट्टी कुंद्रा मिजान जाफरी और प्रणिता सुभाष मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगी।

काम शुरू होने को लेकर मैं चिंतित नहीं हूं सोनाक्षी सिन्हा

अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा का कहना है कि वह काम पर दोबारा वापसी करने के लिए परेशान नहीं हैं और कोरोनाकाल में इंडस्ट्री में होने वाले बदलावों को लेकर भी वह चिंतित नहीं हैं। अभिनेत्री ने साझा किया कि उन्हें लॉकडाउन की यह जिंदगी काफी पसंद आ रही है। सोनाक्षी ने कहा मुझे यह कहने में कोई हर्ज नहीं है कि मुझे लॉकडाउन वाली जिंदगी काफी पसंद आ रही है। पिछले दस सालों में मैंने लंबे समय तक के लिए कोई ब्रेक नहीं लिया है जहां कि मैं अपने आप के साथ समय बिता सकूंए यह समझ सकूं कि मुझे जिंदगी से क्या चाहिए समस्याओं का समाधान ढूंढूं चीजों पर मंथन करूंए यह जान सकूं कि जिंदगी में क्या जरूरी है और क्या नहीं। मुझे यह समय काफी अच्छा लग रहा है। वह आगे कहती हैं मैं काम के शुरू होने को लेकर और किस तरह से सबकुछ होगाए इन्हें सोचकर परेशान नहीं हूं। मुझे पता है कि सेट पर वापस लौटना काफी मुश्किल होगाए क्योंकि आपको अपनी गतिविधि को लेकर चौकन्ना रहना पड़ेगाए आपके साथ काम करने वाले लोग पीपीई किट में नजर आएंगे। मैंने एक फोटोशूट किया था और उस दौरान अपने आसपास के लोगों को सिर से लेकर पैर तक ढके हुए देखने का अनुभव काफी अद्भुत था। हमेशा हाथों को सैनिटाइज करना मास्क पहने रहना सारी चीजें काफी अजीब हैं।

गुडिया हमारी सभी पे भारी में संभवना सेठ मारने जा रही हैं एंट्री

गुडिया हमारी सभी पे भारी की सारिका भदौरिया और करम राजपाल हाल ही में कोरोना पॉजिटिव हो गए। इसकी वजह से टीम ने ओवरटाइम काम किया ताकि कहानी को एक ऐसे मोड़ पर लाया जा सकेए जिसके बाद ऐक्टर्स की गैरमौजूदगी किसी को खले नहीं। अब इस कहानी को आगे बढ़ाने के लिए संभावना सेठ की एंट्री हो रही हैए जो इस कहानी में अहम भूमिका निभाएंगी। प्रॉडक्शन हाउस के बिजनेस हेड अंशुल ने बताया कि करम और सारिका के पॉजिटिव होने के बाद निर्देश के मुताबिकए हम 3 दिनों का ब्रेक ले रहे हैं। हम सेट पर सभी तरह के सुरक्षा के उपाय कर रहे हैं। हालांकिए दुर्भाग्य से हमारे केस में हमारे लीड ऐक्टर्स ही पॉजिटिव पाए गए। इसलिए हमने स्टोरीलाइन में कुछ बदलाव किए हैं। हमने कहानी में कुछ कॉमिक चीजें जोड़ी हैं। हम इस शो में संभावना सेठ को लेकर आ रहे हैं और वह इस शो में कब तक बनी रहती हैं वह दर्शकों के फीडबैक पर निर्भर करता है। संभावना ने कहा मुझे ज्यादातर नेगेटिव किरदार मिलते हैं। यह पहली बार होगा जब मैं कॉमिडी वाले किरदार में नजर आउंगी। मुझे हैरानी हुई जब मेकर्स ने इसका हिस्सा बनने के लिए मुझसे सम्पर्क कियाए क्योंकि यह मेरे स्क्रीन इमेज से बिल्कुल उलट है।

शूटिंग पर वापस लौटकर खुश है दिशा पाटनी

बॉलीवुड अभिनेत्री दिशा पाटनी शूटिंग पर वापस लौटकर बेहद खुश है। अनलॉक की शुरुआत के बाद अब बॉलीवुड में काम की शुरुआत हो रही है। दिशा पाटनी ने अपनी फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। लॉकडाउन में घरों में रहने के बाद अब स्टार्स काम पर वापस लौटकर खुश हैं। दिशा पाटनी ने भी खुशी जताते हुए एक वीडियो शेयर किया है। दिशा ने अपनी इंस्टा स्टोरी पर एक वीडियो शेयर किया है जिसमें वह मेकअप करा रही हैं। वीडियो में दिशा दो स्टाइलिस्ट के साथ बैठी हुई नजर आ रही हैं। स्टाइलिस्ट ने मास्क पहन रखे हैं। दिशा ने वीडियो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा आखिरकार हम वापस आ गए। दिशा पाटनी पिछली बार फिल्म मलंग में नजर आई थीं। अब वह सलमान खान की फिल्म राधेरू योर मोस्ट वॉन्टेड भाई में नजर आएंगी।

इंसान को खुद के खास होने का जश्न मनाना चाहिए : भूमि पेडनेकर

बॉलीवुड अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने अपने अगले प्रोजेक्ट डॉली किट्टी और वो चमकते सितारे पर बात की। उन्होंने इस फिल्म में अपने किरदार के जरिए महिलाओं से जुड़ी सभी पुरानी विचारधाराओं से पर्दा हटाया है। भूमि ने कहाए मुझे अपना किरदार किट्टी बहुत पसंद हैए क्योंकि यह सिर्फ एक लड़की के बारे में है। हमसे हमेशा ये टैग किए जाते हैं कि वह अच्छी लड़की हैए वह बुरी लड़की है। यह किरदार उन टैग्स को तोड़ता है। भूमि को मानना है कि उन्होंने डॉली किट्टी और वो चमकते सितारे में नारीत्व के पहलुओं पर बात की गई है। उन्होंने कहा आमतौर पर महिला को एक. दूसरे के खिलाफ खड़ा किया जाता है। मेरे खयाल से यह नेचर केवल महिलाओं में नहींए बल्कि पूरे मानव समाज में पाई जाती हैं। खासतौर से अगर आप एक ही परिवार से हों। हालांकि इसके अंत तक एक लड़की होने के नाते समझेगी कि दूसरी लड़की क्या कर रही है। इस फिल्म में ह्यूमर मैडनेस और ड्रामा सभी को सही तरीके से बैलेंस किया गया है।

शाहरुख खान.दीपिका पादुकोण की सनकी फिल्म में फिर जमेगी जोड़ी

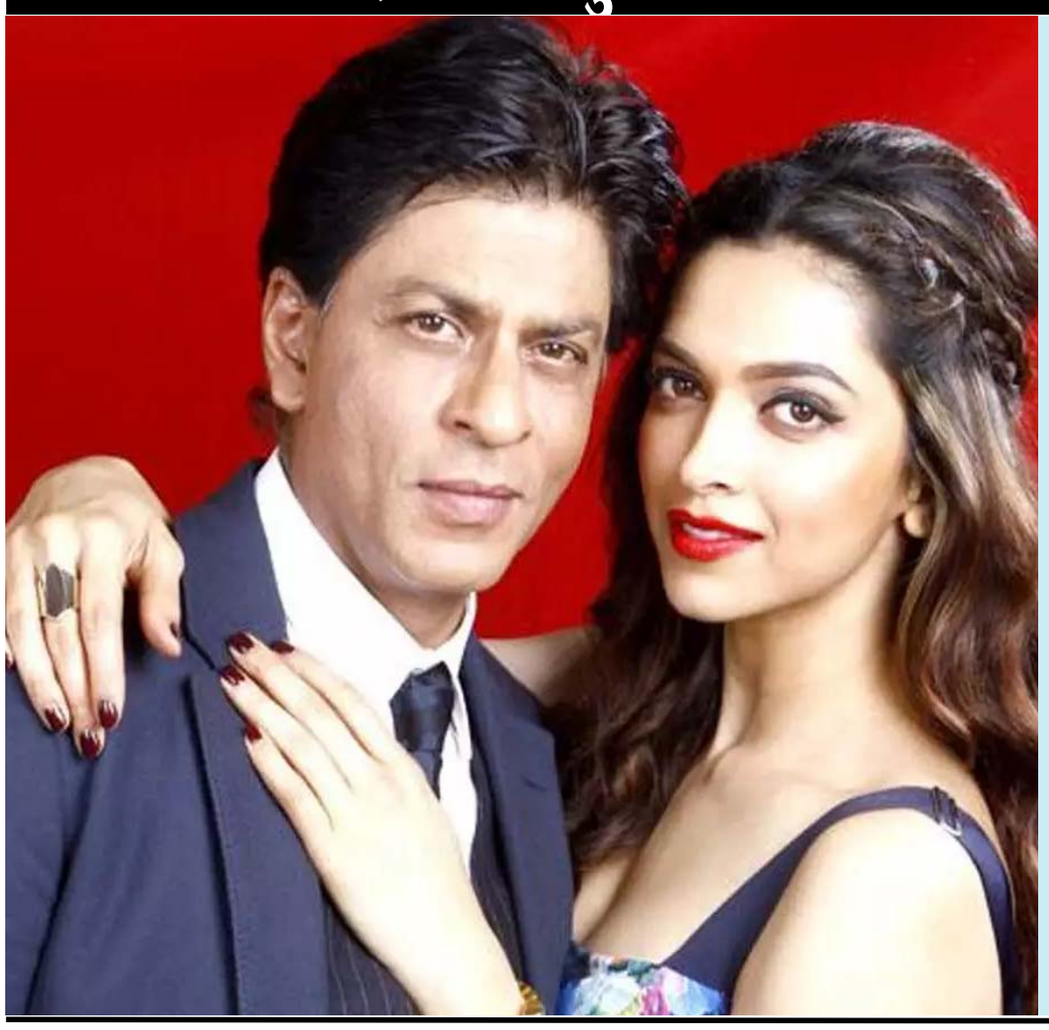

वुड के बादशाह शाहरुख खान के फैंस अपने पसंदीदा स्टार की अगली फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। शाहरुख खान आखिरी बार फिल्म जीरो में नजर आए थेए तब से फैंस उनके अगले प्रॉजेक्ट की घोषणा के इंतजार में हैं। इस बीच कहा जा रहा है कि तमिल डायरेक्टर एटली कुमार की फिल्म में शाहरुख खान ने दीपिका पादुकोण के साथ नजर आएंगे।
फिल्मफेयर की एक रिपोर्ट के अनुसारए शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण जिस फिल्म के लिए साथ आए हैंए उसका नाम सनकी रखा गया है। दीपिका पादुकोण की फिल्म की कहानी बहुत पसंद आई है। अगर यह जोड़ी इस फिल्म में साथ आती है तो यह चौथा मौका होगा जब दोनों एक साथ काम करने जा रहे हैं। इसके पहले शाहरुख और दीपिका ने ओम शांति ओम चेन्नई एक्सप्रेस और हैपी न्यू ईयर में काम किया है।
प्रड्यूसर्स इसे अखिल भारतीय फिल्म बनाने के मूड में है। मूल रूप से यह फिल्म हिंदी और तमिल में बनाई जाएगी और बाकी प्रमुख भाषाओं में इसकी डबिंग करके रिलीज की जाएगी। फिल्म के साल 2021 की शुरुआत में फ्लोर पर आने की उम्मीद थी लेकिन कोविड.19 की स्थिति देखते हुए शेड्यूल तय किए जाएंगे। शाहरुख खान ने डायरेक्टर राज निदिमोरू और राइटर कृष्णा डीके के साथ फिल्में भी साइन की हैं। इसके अलावा वह डायरेक्टर राजकुमार हिरानी के साथ काम करने की बात कह चुके हैं। शाहरुख खान के पास कैलेंडर पर तीसरी फिल्म है लेकिन दीपिका पादुकोण का भी बिजी शेड्यूल है। दीपिका पादुकोण डायरेक्टर शकुन बत्रा की फिल्म शूटिंग शुरु करने के लिए तैयार हैं। इसके अलावा वह प्रभास के साथ एक फिल्म में नजर आने वाली हैं।

कंगना रनौत को जावेद अख्तर का जवाब- कुछ लोग विरासत और नेपोटिज्म में कन्फ्यूज होते हैं

सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद बॉलिवुड में नेपोटिज्म को लेकर बड़ी बहस शुरू हुई। कहा गया कि यहां इनसाइड और आउटसाइडर की लड़ाई है। दो खेमे बंटे हुए हैं। कंगना रनौत ने नेपोटिज्म और स्टारकिड्स के खिलाफ सोशल मीडिया पर मोर्चा खोल दिया। अब इस पूरे मामले में जावेद अख्तर का बयान आया है। दिग्गज गीतकार और लेखक जावेद अख्तर का कहना है कि कुछ लोग विरासत और भाई-भतीजावाद में फर्क नहीं समझ पाते हैं। मेरा मानना है कि लोग दो चीजों में कन्फ्यूज हैं। नेपोटिज्म संभव नहीं है, क्योंकि अंत में जो आदमी बॉक?स ऑफिस पर टिकट खरीद रहा है, वही वोटर है और इसे नकारा नहीं जा सकता है। लोग विरासत और नेपोटिज्म में कन्फ्यूज होते हैं। जावेद अख्तर ने आगे कहा, यदि कोई फिल्मी घराने में पैदा होता है तो उसके लिए फिल्म इंडस्ट्री के दरवाजे आसानी से खुल जाते हैं, लेकिन ये सब कुछ नहीं है। कई बार स्टार किड्स ने खुद कहा है कि फिल्मी परिवार से होने के कारण उन्हें काम के मौका मिलना आसान हो जाता है। हालांकि, ये जरूरी नहीं कि उन्हें सफलता ही मिले।

कंचन उजाला
हिंदी दैनिक

स्वामी नमोकंचन कार्पोरेट सर्विसेस (एल.एल.पी) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक कंचन सोलंकी द्वारा उमाकान्ती ऑफसेट प्रेस, ग्राम डेहवा पोस्ट मोहनलाल गंज लखनऊ से मुद्रित एवं 61/18 चुटकी भण्डार हुसैनगंज लखनऊ से प्रकाशित।

संपादक- कंचन सोलंकी

TITLE CODE- UPHIN48974

Mob:
8896925119, 9695670357
Email:
kanchansolanki397@gmail.com

नोटः समाचार पत्र में प्रकाशित समाचारो एवं लेखों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नही। समस्त विवादो का निस्तारण लखनऊ न्यायालय के अधीन होगा।